Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 175
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,24 जनवरी 2026

# मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

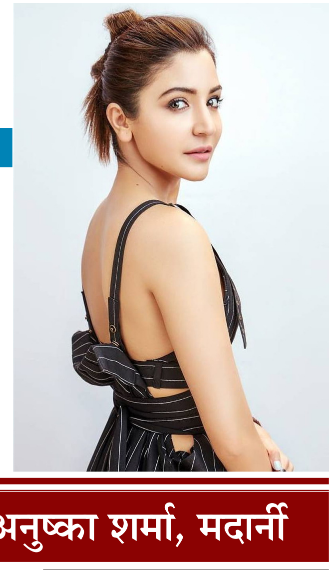

2 2026 से प्रत्येक रविवार को निम्नवत किया जायेगा
5 आंखों के नीचे काले घेरे कैसे हटाएं? आजमाएं ये
7 रानी मुखर्जी की फैन हुई अनुष्का शर्मा, मदार्नी

### तमिलनाडु में पीएम ने फूंका एनडीए का चुनावी बिगुल

# डीएमके सरकार को विदाई देने का समय आ गया है:पीएम

**चेन्नई (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रचार अभियान की शुरूआत करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य में भ्रष्ट द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। उनकी टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु राजग के धोखे को भूला नहीं है। तमिलनाडु में राजग के चुनाव प्रचार की शुरूआत के लिए चेन्नई के नजदीक मदुरांतकम जाने से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छू रही है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, तमिलनाडु राजग के साथ है। मैं आज बाद में मदुरांतकम में आयोजित रैली में राजग नेताओं के साथ शामिल होऊंगा। तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि भ्रष्ट द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छूरही है। प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि मोदी राज्य का दौरा केवल चुनाव के समय ही करते हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में लिखा, ष्तमिलनाडु राजग के धोखे को जानता है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर सिर्फ चुनाव के समय ही तमिलनाडु आते हैं...। उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछा कि राज्य को 3,458 करोड़ रुपये की समग्र शिक्षा निधि कब मिलेगी, यह कब घोषित किया जाएगा कि परिसीमन में तमिलनाडु की सीटें कम नहीं होंगी, और भाजपा के एजेंट की तरह काम करने वाले राज्यपाल की अराजकता आखिर कब खत्म होगी। स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि तमिल भाषा के प्रचार के लिए केंद्र से तमिलनाडु को अलग से वित्तीय सहायता कब मिलेगी, मनरेगा को कब बहाल किया जाएगा, मदुरै में एम्स परियोजना कब शुरू होगी और अन्य लंबित परियोजनाओं के लिए राशि कब दी जाएगी। उन्होंने कहा, तमिलनाडु हर बार भाजपा के उस गठबंधन को हराएगा, जो केवल धोखा देता रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को मदुरांतकम में आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के चुनाव प्रचार अभियान की औपचारिक शुरूआत करेंगे। राजग के प्रमुख घटक दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी सहित गठबंधन के वरिष्ठ नेता इस विशाल चुनावी रैली में भाग लेंगे। इस दौरान मोदी, राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के खिलाफ आक्रामक चुनाव अभियान की दिशा और माहौल तय कर सकते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तमिलनाडु के चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने श्एक्सश पर एक पोस्ट कर कहा, ष्यह प्रधानमंत्री मोदी जी और तिरु ई. के. पलानीस्वामी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में तमिलनाडु में राजग के चुनाव अभियान की शुरूआत है। यह द्रमुक की भ्रष्टाचारग्रस्त सरकार को बेदखल करने और हर वर्ग के लिए सुशासन, अवसर और समृद्धि लाने की दिशा में पहला कदम भी है। इस बार तमिलनाडु में राजग का परचम लहराएगा।

## बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को खुलेंगे, वसंत पंचमी के पावन पर्व पर घोषित की गई तिथि

**कर्णप्रयाग (चमोली) (एजेंसी)।** बदरीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को विधि -विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। वसंत पंचमी पर आज बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित की गई। इससे पहले बृहस्पतिवार को डिम्मर से डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के सदस्य गाडू घड़ा के साथ ऋषिकेश के लिए रवाना हुए। शुक्रवार को पुजारी गाडू घड़ा लेकर नरेंद्रनगर राज दरबार पहुंचे। यहां परंपरागत तरीके से भगवान बदरीविशाल धाम कपाटोद्घाटन की तिथि घोषित की गई। भगवान बदरीविशाल के कपाट 23 अप्रैल को ब्रह्म काल मुहूर्त पर 6:15 पर खोले जाएंगे। गाडू घड़ा यात्रा सात अप्रैल को आरंभ होगी। श्रीलक्ष्मी-नारायण मंदिर डिम्मर में बृहस्पतिवार सुबह डिम्मर गांव के पुजारी टीका प्रसाद डिमरी और आचार्यों ने भगवान और गाडू घड़ा की विष्णु सहस्त्रनाम और नामावलियों से महाभिषेक पूजा कर बाल भोग अर्पित किया। इसके बाद बदरीनाथ धाम के डिमरी पुजारियों ने गाडू घड़ा लेकर मंदिर की परिक्रमा की। फिर भगवान श्रीबदरी विशाल के जयकारों के साथ यात्रा रात्रि प्रवास के लिए ऋषिकेश रवाना हुई। वसंत पंचमी को सुबह गाडू घड़ा लेकर डिमरी पुजारी ऋषिकेश से नरेंद्र नगर राजदरबार पहुंचें। जहां महाराजा मनुजेंद्र शाह पंचांग पूजा के बाद भगवान बदरीविशाल के कपाट खुलने, भगवान के महाभिषेक में प्रयुक्त होने वाले लिए तिलों के तेल को पिरोने और गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा की तिथि घोषित की। अक्षय तृतीया पर खुलेंगे गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट उल्लेखनीय है कि गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट अक्षय तृतीया पर खुलते हैं।

## 'बिना शर्त हाईकोर्ट में माफी मांगें', जज के साथ बहस को लेकर वकील को शीर्ष कोर्ट का निर्देश

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड के एक वकील को हाईकोर्ट के समक्ष बिना शर्त माफी मांगने को कहा। शीर्ष कोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया था। दरअसल, अदलात की कार्यवाई के दौरान वकील ने कथित तौर पर जज से कहा था- हद पार मत करिए। बाद में इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने याचिका का निपटारा किया। उन्होंने वकील महेश तिवारी को पांच जजों की हाईकोर्ट की बेंच के सामने बिना शर्त माफीनामा दाखिल करने की अनुमति दी। वकील के खिलाफ पिछले साल अक्तूबर में अवमानना का नोटिस जारी किया गया था। शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट से माफी पर सहानुभूतिपूर्व विचार करने का अनुरोध किया। शीर्ष कोर्ट ने क्या कहा? सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि आपराधिक अवमानना

नोटिस से व्यथित याचिकाकर्ता हमारे सामने हाजिर हैं। सुनवाई के दौरान बताया गया कि याचिकाकर्ता का इरादा माननीय जज का अपमान करना या न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालना नहीं था। वरिष्ठ वकील ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता अपने किए पर गहराई से खेद प्रकट कर रहा है। याचिकाकर्ता बिना शर्त माफी मांगने के लिए तैयार है। याचिकाकर्ता के वकील ने क्या कहा? शीर्ष कोर्ट की बेंच ने कहा, हम याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट के समक्ष बिना शर्त माफीनामा प्रस्तुत करने की अनुमति देते हुए इस मामले का निपटारा करते हैं। हम हाईकोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह माफीनामा पर सहानुभूति के साथ विचार करे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे पेश हुए। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता बेहद पश्चाताप कर रहा है और बिना शर्त माफी मांगने के लिए तैयार है। हालांकि, बेंच ने वकील के आचर पर कड़ी आपत्ति जताई। सीजेआई ने क्या टिप्पणी की? सीजेआई ने वकील के विरोध पर टिप्पणी करते हुए कहा, वह जजों के सामने इसका स्पष्टीकरण क्यों नहीं सकते? यह उनका हठधर्मी स्वभाव है।

## नेताजी का नाम आते ही हर भारतीय के मन में साहस और संकल्प जाग उठता है:सीएम

**लखनऊ (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज हजरतगंज स्थित नेताजी सुभाष चौक पर पहुंचे। स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के साहसिक नेतृत्व और उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत माता के ऐसे महान पुत्र की पावन जयंती है, जिनका नाम आते ही हर भारतीय के सामने उनका विराट व्यक्तित्व स्वतः उभर आता है। उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से वह नेताजी के श्रीचरणों में नमन करते हैं। देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। नेताजी का जीवन हर भारतीय को विपरीत परिस्थितियों में भी देशद्रोही और देशविरोधी ताकतों के सामने न झुकने का दृढ़ संकल्प देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1897 में एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता परिवार में जन्मे नेताजी को बचपन में ही उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन भेजा गया। आईसीएस परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नौकरी ठुकरा दी। पूरी तरह भारत के स्वाधीनता आंदोलन में कूद पड़े। जब महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश का स्वतंत्रता आंदोलन नई दिशा ले रहा था, उसी दौर में नेताजी ने क्रांतिकारियों के अग्रणी नेता के रूप में आजादी की लड़ाई को नई ऊर्जा और दिशा दी। उनका प्रभाव भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी साफ दिखाई देता था।मुख्यमंत्री ने कहा कि नेताजी का आह्वान तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा आजादी के आंदोलन का मंत्र बन गया। उनका उद्घोष दिल्ली चलो आज भी हर भारतवासी को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि कदम-कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा जैसे गीत आज भी भारतीय सेना के दीक्षांत समारोहों में पूरे गर्व के साथ गाए जाते हैं। यह भी नेताजी की ही देन है, जिसने सैनिकों के मनोबल को हमेशा ऊंचा रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के भीतर ही नहीं, बल्कि जर्मनी, जापान सहित दुनिया के कई देशों में जाकर नेताजी ने आजादी के आंदोलन को नेतृत्व प्रदान किया, जो हर भारतीय के लिए स्मरणीय है।उनकी जयंती पर उन्हें स्मरण करने, कृतज्ञता व्यक्त करने और नमन करने का यह अवसर हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।

## अगर मैं थोड़ा लचीला राजनीतिक रुख अपनाऊं भी, तो वह स्वार्थ के लिए नहीं होगा: राज ठाकरे

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि आज की पूरी तरह बदल चुकी राजनीति में अगर वह थोड़ा लचीला रुख अपनाते भी हैं तो यह कभी उनके व्यक्तिगत लाभ या स्वार्थ के लिए नहीं होगा। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब दो दिन पहले उनकी पार्टी के पांच पार्षदों ने ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (केडीएमसी) में एकनाथ शिंदे-नीत शिवसेना को समर्थन दिया था। यह कदम आश्चर्यजनक है, क्योंकि मनसे ने 15 जनवरी के निकाय चुनाव में केडीएमसी और मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई नगर निगमों में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था। उद्धव ठाकरे-नीत पार्टी ने मनसे के पार्षदों के प्रतिद्वंद्वी दल के पक्ष में जाने पर सार्वजनिक तौर पर निराशा जताई। राज ने शिवसेना संस्थापक एवं अपने ताऊ दिवंगत बाल ठाकरे की जन्म शताब्दी के अवसर पर एक्स पर लिखा, आज निष्ठाएं आसानी से बिक जाती हैं। सिद्धांतों को यूं ही त्याग दिया जाता है और राजनीति पूरी तरह

अवसरवादी हो गई है। आज की राजनीति में सफलता इस बात से नहीं आंकी जाती कि कौन से मुद्दे सामने लाए गए या क्षेत्रीय और भाषाई अस्मिता को कितनी मजबूती से जीवित रखा गया, बल्कि यह इस बात से आंकी जाती है कि चुनावी राजनीति में कितनी सफलता मिली तथा वहां तक पहुंचने के लिए कौन-कौन से हथकंडे अपनाए गए। मनसे अध्यक्ष ने कहा, बालासाहेब के समय में ऐसी अपेक्षाओं से कोई समझौता नहीं होता था उन्हें स्वयं सत्ता की लालसा नहीं थी यहां तक कि जब बालासाहेब को कभी राजनीति में लचीला रुख अपनाना पड़ा ।

## राष्ट्रगीत से जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस का आरोप : प्रधानमंत्री सबसे बड़े 'डिस्टॉरियन'

**नई दिल्ली (एजेंसी):** कांग्रेस ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी और राष्ट्रगीत से जुड़े हालिया विवाद को लेकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सबसे बड़े 'डिस्टॉरियन' (इतिहास को विकृत करने वाले) हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य नेताओं ने नेताजी को श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेताजी को याद करते हुए संसद के बीते शीतकालीन सत्र में

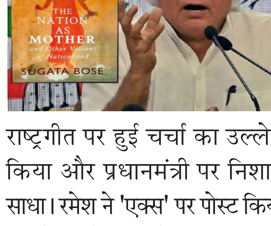



राष्ट्रगीत पर हुई चर्चा का उल्लेख किया और प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पिछले महीने संसद में राष्ट्रीय गीत पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी और उनकी पोल खुल गई थी, साथ ही राष्ट्रगान के इतिहास को भी विकृत करने का प्रयास किया गया था - जिससे इस प्रक्रिया में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर का अपमान हुआ। उन्होंने कहा, आज 23 जनवरी 2026 को देश नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती मना रहा है, जिन्होंने 1937 में बाद के अंश को लेकर हुए विवाद को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई थी।

## देश में दिखी बसंत पंचमी की धूम, 2.10 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में लगाई डुबकी

**प्रयागराज (एजेंसी)।** प्रयागराज में जारी माघ मेले में शुक्रवार को बसंत पंचमी स्नान पर्व पर दोपहर 12 बजे तक 2.10 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि कल रात 12 बजे से ही लोगों का संगम क्षेत्र में आगमन और स्नान जारी है और आज बसंत पंचमी पर दोपहर 12 बजे तक 2.10 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। मेलाधिकारी ऋषिराज ने कहा कि मेला क्षेत्र के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं का अपार जनसैलाब मौजूद है। कंट्रोल रूम के माध्यम से श्रद्धालुओं के आवागमन

पर नजर रखी जा रही है। पूरे मेला क्षेत्र में 400 से अधिक कैमरे क्रियाशील हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों की भी निगरानी की जा रही है। सभी जगहों पर पुलिस प्रशासन के कर्मचारी अधिकारी तैनात हैं। तीर्थ पुरोहित राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि चूंकि प्रयागराज में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का वास है, इसलिए यहां बसंत पंचमी स्नान का विशेष महत्व है। बसंत पंचमी पर पीला वस्त्र धारण करने, पीली वस्तुओं का दान करने का विधान है। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी के दिन से ही ऋतु परिवर्तन का एहसास जनमानस को होने लगता है और लोग गुलाल आदि लगाकर इसे उत्सव के रूप में मनाते हैं।

## 'एसआईआर के डर के कारण रोजाना आत्महत्या कर रहे तीन से चार लोग', मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का दावा

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर केंद्र और चुनाव आयोग पर हमला किया और दावा किया कि इस अभ्यास के कारण रोजना तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में जारी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर बढ़ी चिंता के कारण हर दिन

तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। कार्यक्रम में सीएम ममता बनर्जी ने क्या कहा? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर रेड रोड पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि इन मौतों की जिम्मेदारी चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अब तक 110 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि एआईआर के डर के कारण हर दिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव से पहले एसआईआर की प्रक्रिया जारी राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, सुभाष चंद्र बोस और भीमराव आंबेडकर जैसे देश की विभूतियों का अपमान किया जा रहा है।

## बारिश और ठंड भी नहीं रोक पाई रिहर्सल, कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में दिखा जवानों का जज्बा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय राजधानी में गरज के साथ बौछारें पड़ने के कारण शुक्रवार को सुबह कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह की परेड के फुल ड्रेस रिहर्सल कार्यक्रम में देरी हुई। गणतंत्र दिवस की परेड के रिहर्सल के दौरान शायद ही कभी ऐसा दृश्य देखने को मिला है जब आसमान में घने काले बादल छाए हों और कर्तव्य पथ पर बार-बार गरज की आवाजें गूंजने के साथ बारिश हो रही हो। दिल्ली में शुक्रवार की सुबह कई जगहों पर बारिश होने से, लंबे समय से जारी शुष्क सर्दियों का दौर आखिरकार खत्म हो गया और राष्ट्रीय राजधानी में हल्की से मध्यम बौछारें हुई। मौसम में अचानक हुए बदलाव के कारण कार्यक्रम के आयोजन में देरी हुई जिससे कार्यक्रम स्थल पर अनिश्चितता का माहौल बन गया और अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। रिहर्सल में देरी होने के बावजूद सुरक्षाकर्मी और अधिकारी अपने-अपने स्थान पर बने रहे। इनमें से कई अधिकारी बारिश और कड़ाके की ठंड में भी अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए रेनकोट और जैकेट पहने नजर आए। सुरक्षाकर्मियों के सतर्क रहने के कारण अवरोधक, जांच चौकियां और तैनाती योजनाएं अपरिवर्तित रहीं। रिहर्सल देखने के लिए सुबह जल्दी जमा हुए बुजुर्गों समेत लोगों ने बारिश से बचने के लिए प्लास्टिक की शीट ओढ़ लीं।

## दिल्ली और हिमांशु भाऊ गिरोह के बीच हुई मुठभेड़, दो गिरफ्तार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हिमांशु भाऊ गिरोह के दो संदिग्ध सदस्यों को दिल्ली में यूईआर-2 फ्लाईओवर के पास पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि विक्की उर्फ मोगली और चंदर भान को बृहस्पतिवार देर रात हिरण कुदना-दिचाऊं कलां गांव जाने के रास्ते में कार में यात्रा करते समय रोका गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, जब पुलिस दल ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो विक्की ने पुलिसकर्मियों पर गोली चला दी। इसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई और इस कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। विक्की को पहले राव तुला राम मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में रेफर कर दिया गया। हरियाणा के बहादुरगढ़ निवासी विक्की उर्फ मोगली (37) पर हरियाणा पुलिस ने 5,000 रुपये का इनाम घोषित किया था।

## उज्जैन के ताराना में फिर भड़की हिंसा, भीड़ ने कई घरों पर की पत्थरबाजी

**उज्जैन (एजेंसी)।** उज्जैन के तराना में गुरुवार शाम को दो पक्षों के बीच शुरू हुए विवाद ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले लिया। उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और एक बस को आग के हवाले कर दिया। पुलिस-प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कस्बे को छावनी में तब्दील कर दिया है। दरअसल, गुरुवार शाम तराना में कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान सोहेल ठाकुर नामक युवक पर प्राणघातक हमला किया गया। सोहेल पर हमले के विरोध में शुक्रवार को माहौल गरमा गया। कुछ अज्ञात तत्वों ने मोहल्लों में घुसकर घरों पर पथराव किया, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए, शरारती तत्वों ने उग्र होकर एक बस में आग लगा दी, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

# 2026 से प्रत्येक रविवार को निम्नवत किया जायेगा

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु 15671/15672 कामाख्या-रोहतक-कामाख्या अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचलन कामाख्या से 30 जनवरी, 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को तथा रोहतक से 01 फरवरी, 2026 से प्रत्येक रविवार को निम्नवत किया जायेगा। 15671 कामाख्या-रोहतक अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस 30 जनवरी, 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को कामाख्या से 22.00 बजे प्रस्थान कर रंगिया से 22.43 बजे, बरपेटा रोड से 23.27 बजे दूसरे दिन न्यू बंगाईगाँव से 00.05 बजे, कोकराझार से 01.02 बजे, न्यू कोच बिहार से 02.25 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी से 05.20 बजे, किशनगंज से 06.27 बजे, बारसोई से 07.17 बजे, कटिहार से 09.30 बजे, नवगछिया से 10.25 बजे, मानसी से 11.32 बजे, खगड़िया से 11.45 बजे, बेगुसराय से 12.25 बजे, बरौनी से 13.20 बजे, हाजीपुर से 15.20 बजे, सोनपुर से 15.30 बजे, छपरा से 17.30 बजे, बलिया से 18.35 बजे, गाजीपुर सिटी से 19.55 बजे, औड़िहार से 21.00 बजे, वाराणसी से 23.05 बजे, ज्ञानपुर रोड से 23.22 बजे तीसरे दिन प्रयागराज रामबाग से 01.22 बजे, प्रयागराज जं. से 01.40 बजे, गोविन्दपुरी से 04.10 बजे, टुण्डला जं. से 06.57 बजे, गाजियाबाद से 11.46 बजे, दिल्ली से 13.10 बजे तथा बहादुरगढ़ से 13.56 बजे छूटकर रोहतक 14.45 बजे पहुँचेगी तथा वापसी यात्रा में, 15672 रोहतक-कामाख्या अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस 01 फरवरी, 2026 से प्रत्येक रविवार को रोहतक से 22.10 बजे प्रस्थान कर बहादुरगढ़ से 22.40 बजे, दूसरे दिन दिल्ली से 00.05 बजे, गाजियाबाद से 00.43 बजे, टुण्डला जं. से 02.52 बजे, गोविन्दपुरी से 06.30 बजे, प्रयागराज जं. से 09.25 बजे, प्रयागराज रामबाग से 10.02 बजे, ज्ञानपुर रोड से 10.50 बजे, वाराणसी से 12.10 बजे, औड़िहार से 12.52 बजे, गाजीपुर सिटी से 13.40 बजे, बलिया से 14.40 बजे, छपरा से 17.10 बजे, सोनपुर से 18.30 बजे, हाजीपुर से 18.45 बजे, बरौनी से 20.20 बजे, बेगुसराय से 20.38 बजे, खगडिया से 21.25 बजे, मानसी से 21.37 बजे, नवगछिया से 22.50 बजे, तीसरे दिन कटिहार से 00.40 बजे, बारसोई से 01.42 बजे, किशनगंज से 02.32 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी से 04.20 बजे, न्यू कोच बिहार से 06.10 बजे, कोकराझार से 07.35 बजे, न्यू बंगाईगाँव से 08.25 बजे, बरपेटा रोड से 09.02 बजे तथा रंगिया से 10.05 छूटकर कामाख्या 12.35 बजे पहुँचेगी। इस अमृत भारत ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 07, साधारण द्वितीय श्रेणी के 10, एल.एस.एल.आर.डी. के 02 तथा पेंट्रीकार के 01 कोच सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे। 15671/15672 कामाख्या-रोहतक-कामाख्या अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस के नियमित संचलन के फलस्वरूप 02 फरवरी,2026 से 75269 सोनपुर-छपरा डेमू गाड़ी के संचलन समय में निम्नवत परिवर्तन किया गया है। 75269 सोनपुर-छपरा डेमू गाड़ी 02 फरवरी,2026 से संशोधित समयानुसार सोनपुर से 15.00 बजे प्रस्थान कर परमानन्दपुर से 15.10 बजे, नयागांव से 15.17 बजे, शीतलपुर से 15.25 बजे, दिघवारा से 15.32 बजे, अवतारनगर से 15.41 बजे, पंचपटिया देवरिया हाल्ट से 15.47 बजे, बड़ागोपाल से 15.54 बजे, डुमरी जुअरा से 16.00 बजे, गोल्डिनगंज से 16.12 बजे तथा छपरा कचहरी से 17.31 बजे छूटकर छपरा 17.30 बजे के स्थान 17.45 बजे पहुंचेगी। अमृत भारत एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। यह ट्रेन आकर्षण डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से युक्त इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब और ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत ब्रेक लग सके। इसके सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से युक्त हैं। इस ट्रेन में यात्रा के दौरान आराम का विशेष ध्यान रखा गया है। ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किये जाने से कोच जोड़ते या अलग करते समय झटका या शोर नहीं होता। डिफॉर्मेशन ट्यूब दुर्घटना की स्थिति में झटका कम कर देती है। पुश-पुल तकनीक इसकी रफ्तार बढ़ाने में मदद करती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अमृत भारत एक्सप्रेस के कोचों में आधुनिक फीचर में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, बॉटल होल्डर, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, आरामदायक सीटें और बेहतर बर्थ सम्मिलित हैं। हर शौचालय में इलेक्ट्रो-न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर और फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इस ट्रेन में दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, हर यात्री के लिए फास्ट चार्जिंग पोर्ट और पेन्ट्री कार जैसी सुविधाएं यात्रा को और सुखद बनाती हैं।

## रक्तदान शिविर में रक्तदान करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर

**गोरखपुर,:** पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय स्थित साउथ डिस्पेंसरी, गोरखपुर

में 23 जनवरी, 2026 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारम्भ महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने स्वयं रक्तदान कर किया तथा उन्होंने उपस्थित रेल अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम जनमानस को रक्तदान हेतु प्रेरित किया। सचिव/महाप्रबन्धक श्री आनन्द ऋषि श्रीवास्तव, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री पंकज कुमार सिंह सहित भारी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं खिलाड़ियों ने रक्तदान कर सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया। इस रक्तदान शिविर में कुल 74 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार, वरिष्ठ रेल अधिकारी, कर्मचारी, आई.आर.ई.एफ. के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एन.ई. रेलवे मेंस कांग्रेस के केंद्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश पांडे तथा एन.ई. रेलवे मेंस कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित थे।

## पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के तत्त्वावधान में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जायेगा

**गोरखपुर,:** महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के मुख्य आतिथ्य में 25 जनवरी, 2026 को रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सायं 05.00 बजे पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के तत्त्वावधान में एक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जायेगा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के कलाकारों द्वारा देशभक्ति गीत तथा कला समिति एवं पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड्स द्वारा देशभक्ति पर आधारित लघु नाटक प्रस्तुत किया जायेगा। इस अवसर पर एन.ई. रेलवे सीनियर सेकेंड्री स्कूल, एन.ई. रेलवे हायर सेकेंड्री स्कूल एवं एन.ई. रेलवे बालिका इंटर कालेज, गोरखपुर के छात्र/छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित समूह नृत्य प्रस्तुती की जायेगी।

## यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है

**गोरखपुर,:** रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 22 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल तथा राजकीय रेलवे पुलिस, सीवान के संयुक्त निगरानी में रेलवे स्टेशन सीवान से एक शातिर अपराधी को महिला यात्री से चोरी किये हुए मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया। 22 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी व अपराध आसूचना शाखा वाराणसी के संयुक्त निगरानी में ताहिरपुर स्थित कबाड़ की दुकान से 02 शातिर अपराधियों को चोरी किये हुए रेल सम्पत्ति को बेचते समय गिरफ्तार किया गया। 22 जनवरी, 2026 को गाड़ी सं0 22538 के रेलवे सुरक्षा बल स्कोर्ट को निगरानी के दौरान यात्री का छूटा एईडी टी.वी. मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त टी.वी. सुपुर्द किया गया। 22 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोण्डा को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 22199 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे गोण्डा पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 22 जनवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 02563 में यात्री का छूटा 03 बैग मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त तीनों बैग सुपुर्द किया गया।

## प्रधानमंत्री ने केरल के तिरुवनंतपुरम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया तथा ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

**गोरखपुर :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल के तिरुवनंतपुरम में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया तथा ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। श्री मोदी ने इस अवसर पर आयोजित समारोह में कहा कि केरल के विकास के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों को आज नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि केरल में रेल संपर्क को ज्यादा मजबूत किया गया है। इसके अलावा तिरुवनंतपुरम को बड़े स्टार्टअप केंद्र के रूप में परिवर्तन करने के लिए उपाय किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड के शुभारंभ के साथ ही केरल से गरीबों के कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी पहलकदमी की शुरूआत हुई है। श्री मोदी ने जोर देकर कहा कि इससे देश भर में रेहड़ी-पटरी वाले विक्रेताओं और फुटपाथ पर काम करने वालों को लाभ होगा। उन्होंने इन विकास और रोजगारोन्मुख पहलकदमियों के लिए केरल के निवासियों और समूचे राष्ट्र के नागरिकों को बधाई दी। मोदी ने कहा कि वर्तमान में समूचा राष्ट्र एक विकसित भारत के निर्माण की अपनी कोशिशों में एकजुट है। इस अभियान में शहरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में शहरी अवसंरचना में काफी निवेश किया है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि केंद्र सरकार ने शहरों में रहने वाले गरीब परिवारों के लिए विस्तृत कार्य शुरू किए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देश भर में 4 करोड़ से ज्यादा मकान बना कर गरीबों को दिए गए हैं। इनमें से 1 करोड़ से अधिक स्थाई मकान शहरी गरीबों को मिले हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अकेले केरल में लगभग 1.25 लाख शहरी गरीब परिवारों को स्थाई मकान प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीब परिवारों के लिए बिजली का खर्च घटाने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत के अंतर्गत गरीब नागरिकों को 5 लाख रुपए का इलाज निःशुल्क मिल रहा है। महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के

उद्देश्य से मातृ वंदना जैसी योजनाएं आरंभ की गई हैं। श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने 12 लाख रुपए तक की आय को कर से मुक्त किया है जिसका काफी लाभ केरल के मध्यवर्गीय और वेतनभोगी लोगों को भी मिला है। श्री मोदी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने के लिए बड़े पैमाने पर कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अब निर्धन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों, महिलाओं और मछुआरों को बैंक से ऋण आसानी से मिल सकता है। उनके पास रेहन रखने के लिए कुछ नहीं होने की स्थिति में केंद्र सरकार अपनी ओर से गारंटी प्रदान करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रेहड़ी-पटरी वालों को पहले कुछ सौ रुपयों का ऋण भी ऊंची ब्याज दर पर लेना पड़ता था। लेकिन पीएम स्वनिधि योजना से उनकी स्थिति में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि पहली बार देश भर के लाखों रेहड़ी-पटरी वालों को बैंकों से ऋण प्राप्त हुए हैं। इससे उन्हें अपनी आजीविका में सुधार के लिए महत्वपूर्ण मदद और अवसर मिले हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत सरकार ने रेहड़ी-पटरी वालों को क्रेडिट कार्ड प्रदान कर एक कदम और आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि केरल में 10000 और तिरुवनंतपुरम में 600 से ज्यादा व्यक्तियों समेत लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड अभी यहां वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक सिर्फ धनवान क्रेडिट कार्ड रखते थे मगर अब पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड रेहड़ी-पटरी वालों के पास भी है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार कनेक्टिविटी, विज्ञान, नवोन्मेष और स्वास्थ्यसेवा में उल्लेखनीय निवेश कर रही है। उन्होंने केरल में सीएसआईआर नवोन्मेष केंद्र और मेडिकल कॉलेज में रेडियो सर्जरी केंद्र के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि इससे राज्य को विज्ञान, नवोन्मेष और स्वास्थ्यसेवा की धुरी के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। श्री मोदी ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के हरी झंडी दिखाए जाने से केरल में रेल संपर्क मजबूत हुआ है जिससे यात्रा की सुगमता बढ़ेगी और पर्यटन क्षेत्र को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि गुरूवयूर और त्रिशूर के बीच नई यात्री ट्रेन से तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा आसान होगी। उन्होंने कहा कि इन सभी परियोजनाओं से केरल के विकास में तेजी आएगी। प्रधानमंत्री ने अंत में कहा कि विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए एक विकसित केरल अनिवार्य है। उन्होंने केरल वासियों को एक बार फिर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र सरकार केरल की जनता के साथ मजबूती से खड़ी है। केरल के राज्यपाल श्री राजेंद्र आर्लेकर और मुख्यमंत्री श्री पिनराई विजयन, केंद्रीय मंत्री श्री वी सोमन्ना और श्री जॉर्ज कूरियन तथा तिरुवनंतपुरम के महापौर श्री वीवी राजेश समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में शामिल थे।

## हाईवे पर बर्थडे गर्ल का हुड़दंग कार के बोनट पर काटे 10 केक 100 की रफ्तार में दौड़ाई गाड़ी

**कानपुर।** बर्रा निवासी एक युवती ने अपने साथियों के साथ कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर रात 12 बजे जन्मदिन मनाया। कार के बोनट पर 10 केक काटे गए और खिड़की पर बैठकर तेज रफ्तार में कार दौड़ाई गई। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस अब इन हुड़दंगियों की तलाश कर रही है। कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर बर्थडे गर्ल और उसके साथियों ने जमकर हुड़दंग मचाया। लड़की ने कार के बोनट पर 10 केक काटे, फिर हाईवे पर जमकर आतिशबाजी की। इसके बाद कार की खिड़की पर बैठी और हाईवे पर 100 की रफ्तार में गाड़ी दौड़ाई। उसके पीछे दो कार दौड़ती रहीं। घटना मंगलवार रात 12 बजे की है। वीडियो गुरुवार को सामने आया है, जिसमें दो लड़कियां छह लड़कों के साथ हाईवे पर बर्थडे मनाती नजर आ रहीं हैं। बर्थडे गर्ल का नाम मायरा ठाकुर है, जो बर्रा थाना क्षेत्र की रहने वाली है। गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया। ये वीडियो कानपुर-अलीगढ़ हाईवे का है। ये वीडियो साक्षी मिश्रा नाम के सोशल मीडिया हैंडल से शेयर किया गया है। वीडियो में मायरा ठाकुर नाम की एक लड़की बर्थडे बेल्ट पहने हुए नजर आ रही है। उसके साथ उसकी एक फीमेल फ्रेंड भी है। हाईवे की रेलिंग पर आतिशबाजी उसकी फीमेल फ्रेंड वीडियो में यह कहती नजर आ रही है कि आपको पता है आज मेरी बहन का बर्थडे है। रात के 12 बज चुके हैं और हम जा रहे हैं। अभी देखिए हम क्या करते हैं? युवती के बर्थडे में शामिल तीन कार सवार छह से अधिक युवक हाईवे पर कारों को खड़ी करते हैं। इसमें से एक कार के बोनट पर करीब 10 केक रखे हैं, जिसे बर्थडे गर्ल काटती है। वहीं हाईवे की रेलिंग पर आतिशबाजी रखी हुई होती है। कार सवार पीछे से बना रहे हैं वीडियो केक कटने के बाद हाईवे पर जबरदस्त आतिशबाजी की जाती है। इसके बाद सभी तीनों कारों में सवार हो जाते हैं। सबसे आगे चल रही कार में ड्राइवर साइड वाली खिड़की पर एक लड़की बैठी दिख रही है। जबकि कार के लेफ्ट साइड वाली खिड़की में एक युवक बैठा हुआ है, जो उसका वीडियो शूट कर रहा है। हाईवे पर पीछे तेज स्पीड में दोनों कारें दौड़ रही हैं। कार सवार पीछे से वीडियो बना रहे हैं।

## हाईटेंशन लाइन के पोल पर चढ़ा युवक 90 फीट से अचानक गिरा सिर फटने से मौत

**सोनभद्र।** पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। टावर पर चढ़ने के सटीक कारण का पता लगाने के लिए हर पहलू की पड़ताल की जा रही है। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। यूपी के सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के खैरटिया टोला में गुरुवार को शंभू यादव (35) की हाईटेंशन लाइन के टावर से गिरकर मौत हो गई। दोपहर में वह अचानक टावर पर चढ़ने लगा। करीब 90 फीट तक ऊपर जाने के बाद पकड़ कमजोर हुई तो सीधे नीचे आ गिरा। सिर फटने से उसकी मौत हो गई। टावर पर चढ़ने की वजह स्पष्ट नहीं हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उसकी हरकत देख नशे में होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गुरुवार की दोपहर बाद करीब तीन बजे खैरटिया टोला में लगे हाईटेंशन लाइन के टॉवर पर एक युवक को लोगों ने चढ़ता देखा। लोग शोर मचाकर उसे रोकने का प्रयास करते रहे, मगर इससे बेखबर होकर वह सीधे टॉवर पर चढ़ता गया। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। इस बीच युवक करीब 90 फीट तक ऊपर पहुंच गया था। उसके टावर पर चढ़ने का कारण जानने के लिए लोग आवाज लगाते रहे, लेकिन ऊंचाई अधिक होने से कुछ स्पष्ट सुनाई नहीं दिया। युवक लगातार ऊपर की तरफ चढ़ता गया। इस बीच अचानक संतुलन बिगड़ने से वह टावर से सिर के बल नीचे गिरा। गिरते ही गिट्टी में करीब छह इंच तक उसका सिर धंस गया। गंभीर चोट से उसकी मौत हो गई। युवक की पहचान पनारी ग्राम पंचायत के गुडुर टोला निवासी शंभू यादव (35) के रूप में हुई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। ग्रामीणों के अनुसार, शंभू यादव लकड़ी बेचने का कार्य करता था और इससे पहले भी वह दो बार हाईटेंशन टावर पर चढ़ चुका था। एसओ विजय सिंह चौरसिया ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आशंका है कि नशे में होने के कारण युवक ने यह कदम उठाया। घरवालों से पूछताछ की जा रही है।

## संक्षिप्त खबरें

### प्रायोगिक परीक्षाएं कल से आज पहुंच जाएंगे परीक्षक

बस्ती। माध्यमिक विद्यालयों में 24 फरवरी से प्रायोगिक परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। यह दो मार्च तक चलेगी। इसके लिए विद्यालयों में तैयारियां लगभग पूर्ण है। इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों की प्रैक्टिकल फाइल पहले से ही तैयार कर ली है। प्रयोगशाला में विभिन्न प्रोजेक्ट का अभ्यास भी किया गया है। बाहर से आने वाले परीक्षक को विद्यार्थी अपने तैयार प्रोजेक्ट पर आधारित थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों प्रदर्शित करेंगे। जिले में इंटरमीडिएट के पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या 34214 है। इन विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं होनी है। इसके लिए लिए विभाग ने गैर जनपद के परीक्षक नियुक्त किए हैं। इसके अलावा दो सचल दल भी गठित किया गया है। इस परीक्षा की निगरानी कराई जाएगी। दूरस्थ क्षेत्र के नियुक्त परीक्षकों शुक्रवार से आने शुरू हो जाएंगे। इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों का फिजिक्स, केमेस्ट्री, बॉयोलोजी, गृह विज्ञान, रक्षा अध्ययन, कंप्यूटर विषय की प्रायोगिक परीक्षा होनी है। डीआईओएस संजय सिंह ने बताया कि अलग- अलग विषयों की प्रायोगिक परीक्षा कराने के लिए परीक्षक नियुक्त किए गए हैं।

### तनाव से गुजर रहा था रणजीत पुलिस खंगाल रही कॉल डिटेल

महादेवा। लालगंज थाना क्षेत्र के गौरा उपाध्याय गांव के रणजीत (45) की खुदकुशी के पीछे कई कहानी निकल कर सामने आ रही है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि युवक तनाव के दौर से गुजर रहा था। जबकि पत्नी संगीता का कहना है कि यदि पुलिस मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की जांच करे तो सच्चाई सामने आ सकती है। उसका आरोप है कि पति के मृत्यु की जिम्मेदार एक महिला है। पति दिनभर मोबाइल पर व्यस्त रहते थे। परिवार से बात कम करते थे। 16 दिन बाद प्रयागराज से घर लौटे थे। चर्चा है कि महिला भी उनके साथ गई थी। पुलिस रणजीत के पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। उसका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो जाएगा। पत्नी संगीता का आरोप है कि रणजीत का गांव की ही एक महिला से प्रेम संबंध था। वह दो बच्चों के साथ दो माह से लापता है। चर्चा है कि 16 दिन पहले रणजीत घर पर यह बताकर निकला था कि वह प्रयागराज माघ मेले में जा रहा है। घर लौटने के बाद वह गुमसुम रहने लगा था। बीबी-बच्चों और न गांव वालों से बातचीत करता था। ग्रामीणों में चर्चा है कि रणजीत की मौत के पीछे प्रेम-प्रसंग और पारिवारिक तनाव की भूमिका हो सकती है।

### तीन आयुर्वेदिक अस्पतालों के निर्माण में फंसा निचली जमीन का पेच

बस्ती। जिले में तीन आयुर्वेदिक अस्पतालों के भवन के निर्माण में पेंच फंस गया है। कार्यदायी संस्था ने भवन के लिए चिह्नित भूमि पर निर्माण कराने से हाथ खड़े कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि कहीं जमीन को लेकर विवाद है तो कहीं लो-लैंड होने से निर्माण का खर्च काफी बढ़ जा रहा है। इस कारण अब फिर से भूमि की तलाश की जा रही है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. जगदीश यादव ने बताया कि तीन अस्पतालों के लिए नई भूमि की तलाश की जा रही है। जिले में छह आयुर्वेदिक अस्पतालों के भवन बनाने की स्वीकृति शासन की ओर से की गई है। प्रत्येक भवन के निर्माण पर 29.94 लाख रुपये के हिसाब से 1.79 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निर्माण की जिम्मेदारी यूपी प्रोजेक्ट्स कॉरपोरेशन लिमिटेड को सौंपी गई है। पहले चरण में प्रति अस्पतालों के लिए 14.97 लाख रुपये के हिसाब से 89.82 लाख रुपये आवंटित किया गया है। एजेंसी कर्मचारी जब निर्माण स्थल पर पहुंचे तो वहां कई तरह की समस्याएं नजर आईं। कोर्ट एरिया में चार बेड के लिए चिह्नित जमीन तक पहुंचने के लिए रास्ता ही नहीं है।

### हेल्प डेस्क से मतदाताओं को मिल रही सहूलियत

भानपुर। एसआईआर के तहत नो-मैपिंग के तहत नोटिस पाने वाले मतदाताओं के लिए तहसील में निर्वाचन कार्यालय के सामने बना हेल्प डेस्क लोगों को 2003 की मतदाता सूची का प्रिंट आउट मौके पर ही उपलब्ध कराकर उन्हें अपने माता-पिता का नाम खोजने में मदद कर रहा है। नरखोरिया बूथ से नोटिस पाकर तहसील आईं जहाना खातून ने बताया कि उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था, मगर मैपिंग न हो पाने से नोटिस मिला है। संवाद नो-मैपिंग मतदाताओं का साक्ष्य जांचने पहुंचे बीडीओ कलवारी। कुदरहा ब्लॉक क्षेत्र के बूथ संख्या 327 व 328 कंपोजिट विद्यालय चकदहा में बृहस्पतिवार को नो-मैपिंग मतदाताओं के साक्ष्य की जांच करने के लिए बीडीओ कुदरहा आलोक कुमार पंकज पहुंचे।

### कामकाज छोड़ मतदाता बनने के लिए जुटाने पड़ रहे साक्ष्य

बस्ती। जिले के एसआईआर प्रक्रिया का एक चरण पूरा होने के बाद अब हलचल और बढ़ गई है। बीएलओ से नोटिस मिलने के बाद नो-मैपिंग वाले मतदाताओं अपना कामकाज छोड़कर मतदाता बनने के लिए साक्ष्य जुटाने पड़ रहे हैं। जवाब देने के लिए सप्ताह भर का समय मिलने के कारण आपाधापी मची हुई है। बता दें कि 21 जनवरी से ब्लॉक, तहसील और जिला स्तर पर एईआरओ की टीम नो-मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई कर है। मगर तमाम साक्ष्य जुटाने से लेकर प्रस्तुत करने में तरह-तरह की समस्या आ रही है। नो-मैपिंग वाले मतदाताओं का कहना है कि द्वितीय चरण की प्रक्रिया काफी जटिल हो गई है। पहले माता-पिता, दादा-दादी का वर्ष 2003 की मतदाता सूची में नाम होने का विवरण ईपिक नंबर सहित देना था। अब जन्म प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर का नकल, बैंक पासबुक, आधार आदि दस्तावेज की मांग की जा रही है और पुराने प्रपत्र मिल नहीं रहे हैं। मूल स्थान से वोटर बनने में काफी परेशानी हो रही है।

### कीटनाशक विक्रेताओं का पंजीकरण अनिवार्य

बस्ती। जिले में संचालित थोक एवं फुटकर कीटनाशक की दुकानों का पंजीकरण अब ऑनलाइन अनिवार्य कर दिया गया है। विक्रेता एवं कंपनी अपनी दुकानों का पंजीकरण आईपीएमएस पोर्टल ६६६.स्रेर.ङ्ग५.ल्ल वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से कराएंगे। जिला कृषि रक्षा अधिकारी रतन शंकर ओझा ने बताया कि पंजीकरण संबंधी समस्या के लिए विक्रेता, डीलर, विनिमार्ता कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। किसी भी कीटनाशक विक्रेता का आईपीएमएस पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण नहीं हुआ पाया जाएगा तो संबंधित विक्रेता पर कीटनाशी अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी।

### गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां तेज

बस्ती। गणतंत्र दिवस की तैयारियां शुरू हो गई है। सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में प्रभातफेरी से लेकर सांस्कृतिक एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम के आयोजन को लेकर बच्चों को अभ्यास कराया जा रहा है। भाषण, नृत्य, नाट्य आदि प्रतियोगिताओं के लिए बच्चे शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रस्तुति की तैयारी कर रहे हैं। इसके अलावा प्रशासनिक स्तर भी तैयारियां तेज कर दी गई है। जिला मुख्यालय पर स्थित विभिन्न महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई कराई जा रही है। एक दिन पहले ही इन स्थलों को तिरंगा लाइट से रोशन किया जाएगा। डीएम ने सभी विभागाध्यक्षों को पहले ही कार्यालयों की सफाई, साज-सज्जा एवं ध्वजारोहण का निर्देश जारी कर दिया है। इसके अनुपालन में सरकारी कार्यालयों की भी सजावट की तैयारी शुरू कर दी गई है।

## बहन की शादी से 14 दिन पहले भाई की हत्या,दोस्तों ने ईंट से सिर कूचा

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज में एक युवक की हत्या कर दी गई। उसका शव नहर किनारे मिला। मौके पर भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। 2 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। घटना आज सुबह नगराम थाना क्षेत्र के गुलाल खेड़ा गांव की है। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी ओम प्रकाश (22) पुत्र राम हरख के रूप में हुई। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आया है कि ईंट से सिर कूचकर युवक की हत्या की गई है। एडीसीपी साउथ रल्ला पल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्धों से पूछताछ हो रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों के अनुसार, ओम प्रकाश 22 जनवरी की रात 8 बजे घर से निकला था। रात में वह वापस नहीं लौटा। आज सुबह परिजनों द्वारा तलाश किए जाने पर नहर के किनारे उसका शव मिला। उसका सिर कूचा हुआ था। पूरा चेहरा खून से लथपथ था। आसपास खून बिखरा था। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा।

## संक्षिप्त समाचार

### जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आज

**ग्वालियर।** जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 23 जनवरी को प्रातः 11 बजे से सांसद भारत सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक में जिले में संचालित विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बैठक में ग्वालियर रेलवे स्टेशन के नवनिर्माण कार्य, अमृत भारत योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों, एनएचएआई एवं सेतु निगम की विकास परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

### चलित प्रयोगशाला से मौके पर जांच, नमूनों का संग्रह

**ग्वालियर।** खाद्य सुरक्षा के अधिकारियों द्वारा मेले में लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को मेले के फूड सेक्टर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता ने पंडित जी सूप कार्नर एवं बाबा सूप कार्नर से सूप के नमूने, देशी हॉटडॉग अड्डा से मसाले एवं पनीर के नमूने, नैन्सी सुपर सोफ्टी सेंटर से चेरी, मिल्क पाउडर एवं शुगर के नमूने तथा बृजवासी रेस्टोरेंट से मसाले एवं खाद्य तेल की जांच की। सभी नमूनों की प्राथमिक जांच चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से मौके पर ही की गई। श्री गुप्ता ने सभी फूड स्टॉल धारकों को विशेष रूप से साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश धाकड़ द्वारा जय हनुमान दूध डेयरी, कम्पू का निरीक्षण कर दूध एवं पनीर के नमूने लिए गए।

### खटवांग महाराज की आज मनेगी जयंती

ग्वालियर। फालका बाजार खटीक मोहल्ला काली मां खटवांग महाराज के मंदिर में देव खटवांग महाराज की जयंती 23 जनवरी शुक्रवार को मनाई जाएगी। इस दिन दोपहर 12 बजे सुंदरकाण्ड का पाठ होगा। खटीक समाज जिला अध्यक्ष सतीश खटीक ने बताया कि 3 फरवरी 2025 को यहां खटवांग महाराज की मूर्ति स्थापित की गई थी। उन्होंने सजातीय लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया है।

# दुल्हनों के साथ नाचे विधायक और महापौर

■ ग्वालियर

जन उत्थान न्यास के तत्वावधान में चतुर्थ सर्वजातीय निःशुल्क विवाह एवं निकाह सामूहिक समारोह का आयोजन शुक्रवार को कटोराताल के सामने जनकपुरी मैदान में किया जाएगा। आयोजन की भव्य तैयारियां की गईं है। विवाह स्थल पर 51 मण्डप सज-धज कर तैयार हैं। विवाह रस्म के तहत गुरुवार को महिला संगीत का रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कन्या पक्ष से सैकड़ों महिलाएं शामिल हुईं, जिन्होंने महापौर डॉ. शोभा सिकरवार एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के साथ जमकर ठुमके लगाए।

### 40 हजार का भोजन

विवाह समारोह में शामिल होने लगभग 40 हजार लोग आएंगे। इसके लिए गुरुवार से भोजन बनना शुरू हो गया।

### आज होंगे 51 कन्याओं के हाथ पीले

51 घोड़ियों पर सवार दूल्हों की बारात शुक्रवार को प्रात: 9 बजे अचलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद रवाना होगी। बारात अचलेश्वर से सनातन धर्म मंदिर, इंदरगंज चौराहा, दाल बाजार, राजपायगा रोड होते हुए विवाह स्थल जनकपुरी पहुंचेगी। इस दौरान बारात का बाजारों में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर आतिशबाजी कर स्वागत किया जाएगा। इसके लिए कई स्थानों पर मंच बनाए गए हैं। इसके साथ ही मंडप में एक साथ 51 कन्याओं के हाथ पीले होने के बाद उन्हें कारों में विदा किया जाएगा।

### 51 कन्याओं को मिलेंगी स्कूटी

जन उत्थान न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने बताया कि विवाह एवं निकाह समारोह में पहले 2 कन्याओं को स्कूटी लक्की ड्रॉ द्वारा दी जा रही थी, लेकिन अब न्यास की मुख्य आयोजन समिति की बैठक में तय किया गया है कि सभी 51 कन्याओं को स्कूटी दी जाएगी। स्कूटी के साथ हेलमेट भी दिए जाएंगे।

### महिलाओं को मिले उपहार

महिला संगीत में नृत्य, गीत-संगीत प्रस्तुत किए गए। जिसमें ये गलियां ये चौबारा यहां आना न दोबारा, अब हम तो भए परदेसी, ले जा रंग-बिरंगी यादें हंसने रोने की बुनियादें गीत पर कन्याओं और महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। इन सभी को उपहार प्रदान किए गए।

# तोमर ने अयोध्या में किए रामलला के दर्शन

■ ग्वालियर

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर गुरुवार को मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने श्री रामलला एवं श्री हनुमानगढ़ी में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति की ओर से श्री तोमर का राम रक्षा गमछा पहनाकर एवं तिलक कर अभिवादन किया गया। श्री तोमर के साथ भाजपा अयोध्या के पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जैन एवं अशोक जादौन, नरेंद्र मिश्रा साथ थे। पूर्व सांसद लल्लू सिंह, अनूप सिंह रानू, राघवेंद्र पांडे, अरिजीत सिंह, अर्पित सिंह , अविनाश सिंह ,वरुण पांडे, विनोद शुक्ला, हरनाम सिंह, रजनीश झावक, प्रतीक सिंह आदि कार्यकर्ताओं ने श्री तोमर से मुलाकात कर अभिनंदन किया।

# शिक्षा मित्र पहल में समाज की सहभागिता बढ़ी

■ ग्वालियर

जिले के शासकीय स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को बैठने के लिए डेस्कयुक्त बैंच उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई शिक्षा मित्र पहल में समाज के सेवाभावी नागरिकों के साथ-साथ प्रतिष्ठित संस्थान भी आगे आ रहे हैं। इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग से सेवानिवृत्त एक वरिष्ठ नागरिक ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए 50 हजार रुपए की सहयोग राशि सौंपी। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना केवल सरकार ही नहीं, समाज की भी जिम्मेदारी है।

वहीं शहर के बीआईएमआर (बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च) अस्पताल ने भी इस पुनीत पहल में सहभागिता निभाते हुए 10 लाख 25 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की है। कैट के चेयरमेन भूपेन्द्र जैन के आग्रह पर बिरला अस्पताल प्रबंधन ने इस नवाचार में सहयोग का निर्णय लिया।

जिलाधीश रुचिका चौहान ने सहयोग देने वाले सभी सेवाभावी नागरिकों और संस्थानों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनसे प्रेरणा लेकर अन्य लोग भी आगे आएंगे।

उन्होंने बताया कि जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालयों के लिए बैंचों की कुल आवश्यकता का आकलन कर लिया गया है, जिसके लिए लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपए की जरूरत होगी। एक बैंच की लागत करीब 2050 रुपए निर्धारित है। अब तक लगभग 30 लाख रुपए की सहयोग राशि प्राप्त हो चुकी है तथा चिन्हित वेंडर द्वारा बैंच निर्माण का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है।

# राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विवि में 'बसंत उत्सव' का आयोजन

■ ग्वालियर

ज्ञान, विद्या, कला और संगीत की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी के अवसर पर राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में बसंत उत्सव का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के कथक नृत्य विभाग द्वारा विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना झा के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम की जानकारी कुलपति प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे एवं कुलसचिव अरुण सिंह चौहान को प्रेषित की गई तथा कार्यक्रम को ऑनलाइन माध्यम से भी साझा किया गया। कथक नृत्य विभाग की छात्राओं ने शास्त्रीय कथक नृत्य की दो भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से हुआ, जिसमें छात्राओं ने देवी सरस्वती के समक्ष ज्ञान, विवेक और सृजनशीलता की कामना करते हुए अपनी साधना की हाजिरी प्रस्तुत की। इस प्रस्तुति में मानवी शर्मा, पलक विश्वकर्मा, सोमेया श्रीवास्तव एवं मानसी गुप्ता ने भाव, लय और ताल का संतुलित प्रदर्शन किया। इसके पश्चात दूसरी प्रस्तुति 'ऋतु वसंत' रही, जो प्रख्यात कथक गुरु पं. राजेंद्र गंगानी द्वारा रचित है। इस प्रस्तुति में बसंत ऋतु के सौंदर्य, उल्लास और प्रकृति में नवजीवन के भावों को सजीव किया गया। इस नृत्य रचना को कामाक्षी शर्मा, नेहा जरोनिया, नंदिनी जरोनिया, संजना भारद्वाज एवं अनन्या सिंह ने अत्यंत जीवंत एवं ऊर्जावान रूप में प्रस्तुत किया। बसंत उत्सव कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता और समर्पण ने विश्वविद्यालय परिसर में सांस्कृतिक चेतना और शास्त्रीय कला परंपरा को सशक्त रूप में प्रस्तुत किया। यह आयोजन कला, संस्कृति और शिक्षा के समन्वय का एक सार्थक उदाहरण सिद्ध हुआ।

कथक नृत्य विभाग की छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं ऋतु बसंत की प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं

# अवैध कॉलोनियों पर चलेगा बुलडोजर

■ ग्वालियर

शहर में धड़ल्ले से विकसित हो रहीं अवैध कॉलोनियों पर अब नगर निगम ने सख्त रुख अपना लिया है। अवैध निर्माण और गैरकानूनी विकास को लेकर गुरुवार को अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने नगर निवेशक एवं सभी भवन अधिकारियों की बैठक लेकर कार्रवाई की प्रगति की समीक्षा की। बाल भवन में आयोजित बैठक में नगर निवेशक महेंद्र अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम द्वारा अवैध कॉलोनियों को चिन्हित करने के लिए सर्वेक्षण कराया गया है। प्रथम चरण में 58 अवैध कॉलोनियों को सूचीबद्ध किया गया है, जहां गैरकानूनी तरीके से सड़क, सीवर लाइन, बिजली के खंभे सहित अन्य अधोसंरचनात्मक कार्य कराए गए हैं। इन सभी विकास कार्यों को हटाने की कार्रवाई की जाएगी।अधिकारियों ने बताया कि इन अवैध कॉलोनियों में नगर पालिक निगम अधिनियम एवं मध्यप्रदेश कॉलोनी विकास नियम 2021 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

इसके अंतर्गत संबंधित कॉलोनाइजरों और जिम्मेदार लोगों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं। तय समयसीमा में जवाब नहीं मिलने या नियमों का पालन नहीं होने की स्थिति में सड़कों, सीवर और अन्य सुविधाओं को हटाया जाएगा। बैठक में अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस बीच नगर निगम ने वैध कॉलोनियों को लेकर भी कदम उठाया है। निगम सीमा में स्थित 297 वैध कॉलोनियों की सूची नगर निगम की वेबसाइट पर अपलोड की जा रही है।

# 'ग्राम विकास की नींव शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी से मजबूत होती है'

■ ग्वालियर

ग्रामोदय से अभ्युदय अभियान के अंतर्गत विकासखंड मुरार के बेरजा सेक्टर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर सामाजिक चेतना, जनभागीदारी एवं समग्र विकास को सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सी.एम.राईज स्कूल के प्राचार्य धर्मेंद्र राणा उपस्थित थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत के सरपंच राजेंद्र सिंह परिहार ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में म.प्र. जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक धर्मेंद्र दीक्षित ब्लॉक समन्वयक प्रीति वाजपेयी, समाजसेवी के रूप में प्रीति मिश्रा सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में वरिष्ठ समाजसेवी हरिओम गौतम ने कहा कि ग्राम का विकास तभी संभव है जब समाज स्वयं आगे आकर जिम्मेदारी निभाए।

उन्होंने नशामुक्ति, शिक्षा और नैतिक मूल्यों को मजबूत करने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि प्राचार्य धर्मेन्द्र राणा ने कहा कि ग्राम विकास की नींव शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी से मजबूत होती है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्ति, स्वच्छता, जल संरक्षण एवं शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव रामदास माहौर ने तथा उपस्थित लोगों का आभार काजल परमार ने किया।

## 8.04 लाख की हाथ भट्टी शराब और 7900 किलो गुड़ लहान जब्त

# कंजर इलाकों में आबकारी विभाग की दबिश, जमीन खोदकर उखाड़ी हौदी

■ ग्वालियर

जिले के कंजर बाहुल्य इलाकों में अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। नयागांव, घाटीगांव और भितरवार क्षेत्र में एक साथ की गई ताबड़तोड़ कार्रवाई में आबकारी विभाग की टीम ने करीब 8 लाख 4 हजार रुपए कीमत की हाथ भट्टी मदिरा और लगभग 7900 किलोग्राम गुड़ लहान जब्त किया है। मौके पर ही गुड़ लहान को नष्ट किया गया, वहीं आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इतना ही नहीं जमीन को खोदकर हौदियों को भी उखाड़ फेंका गया।

यह कार्रवाई कलेक्टर रुचिका चौहान एवं संभागीय आबकारी उपायुक्त संदीप शर्मा के आदेशानुसार तथा सहायक आबकारी आयुक्त राकेश कुर्मी के निर्देशन में की गई। आबकारी विभाग की टीम ने नयागांव स्थित कंजर डेरा, पार गांव, घाटीगांव के आरोन गांव स्थित आदिवासी मोहल्ला एवं भितरवार क्षेत्र के करहिया के दुबहा दुबही में दबिश दी। दबिश के दौरान नयागांव कंजर डेरा में 13 ड्रमों में प्रत्येक में 200 किलोग्राम के हिसाब से कुल 2600 किलोग्राम गुड़ लहान मिला। इसके अतिरिक्त जमीन में बने गड्ढों से करीब 1400 किलोग्राम गुड़ लहान बरामद किया गया।

पार गांव में 500 किलोग्राम गुड़ लहान और 10 लीटर हाथ भट्टी मदिरा मिली। घाटीगांव के आदिवासी मोहल्ले में कट्टियों में भरा 800 किलोग्राम गुड़ लहान और 60 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की गई। वहीं भितरवार क्षेत्र के करहिया के दुबहा दुबही में जमीन के गड्ढों से अलग-अलग स्थानों पर करीब 2600 किलोग्राम गुड़ लहान पकड़ा गया। बरामद गुड़ लहान के सैंपल लेकर शेष सामग्री मौके पर ही नष्ट कर दी गई।

### कार्रवाई में यह रहे शामिल

कार्रवाई में कंट्रोल रूम प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार तिवारी, सहायक जिला आबकारी अधिकारी आनंद पाल सिंह मंडलोई, मुख्य आरक्षक सुरेश पारासर तथा आरक्षक रवि बघेल, सुनील सिंह, संजय भदौरिया, पंकज शर्मा शामिल रहे।

## 'विकास का आधार है समाज में समरसता और एकजुटता'

# कई स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित, 'पंच परिवर्तन' का दिया संदेश

■ ग्वालियर

गुरुवार को शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि समाज में एकता और समरसता ही विकास का आधार है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आज अयोध्या में विराजमान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ हैं। 500 वर्षों के संघर्ष और कई लोगों के बलिदान के बाद ही हिंदू समाज की एकजुटता से ही भव्य राममंदिर का निर्माण संभव हो सका था। एकजुटता से असंभव लगने वाला कार्य भी संभव हो जाता है। इस अवसर पर सुंरदकांड पाठ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुतियां दी गईं।

सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में फालका बाजार स्थित हनुमान मंदिर, हनुमान नगर में हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी प्रेमानंद महाराज, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी, विशेष अतिथि मीना भट्ट रहीं। वक्ताओं ने पंच परिवर्तन-सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व बोध, नागरिक कर्तव्य और कुटुंब प्रबोधन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को धार्मिक कर्तव्य बताते हुए पेड़ लगाने और जल संरक्षण के उपाय सुझाए। साथ ही लोगों को आत्म जागरूक बनने, सार्वजनिक जीवन में शिष्टाचार अपनाने और परिवारों को मजबूत बनाने के लिए पारंपरिक मूल्यों को अपनाने पर बल दिया। वहीं डबरा नगर में गायत्री बस्ती के हिंदू सम्मेलन से पहले कलश यात्रा निकाली गई। जिसका जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में लोहपीटा समाज ने भी बढ़चढ़कर भाग लिया। वहीं आंतरी खंड के ऐराया में केशव राणा के आतिथ्य में, चीनौर खंड के वनवार मंडल का कुशवाह धर्मशाला में हेमंत सोनी के आतिथ्य में, भेंगना मंडल का ग्राम पैरा के हनुमान मंदिर में राहुल जी के आतिथ्य में एवं बरई खंड के रायपुर में आयोजित किया गया।

### आज यहां होंगे सम्मेलन

सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में दीनदयाल नगर में स्वामी विवेकानंद बस्ती का हिंदू सम्मेलन 23 जनवरी को दोपहर 2 बजे पी ब्लॉक नीम पार्क शताब्दीपुरम में, भितरवार खंड के करिवाटी में, चीनौर खंड में देवरा में, पिछोर खंड के सूखापठा में आयोजित किए जाएंगे।

## मंडल का बड़ा फैसला, ग्वालियर से स्पेशल स्क्वाड मैदान में उतरा

# आरक्षित सीटों पर कब्जा अब नहीं चलेगा

■ ग्वालियर

रेल यात्रियों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आखिरकार रेलवे ने आरक्षित सीटों पर अनधिकृत यात्रियों के बैठने की समस्या पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रयागराज मंडल ने इस संबंध में कड़े आदेश जारी करते हुए नई व्यवस्था लागू कर दी है, जिसके तहत अब आरक्षित सीट पर दूसरा यात्री बैठा मिला तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत गुरुवार को ग्वालियर से छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, महाकौशल एक्सप्रेस और दादर-अमृतसर एक्सप्रेस में विशेष जांच अभियान चलाया गया। इसके अलावा ग्वालियर से निकलने वाली कुछ अन्य ट्रेनों को भी इस सख्त अभियान के लिए चिन्हित किया गया है। रेलवे का साफ कहना है कि अब आरक्षित यात्रियों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पहली बार चीफ टिकट इंस्पेक्टर , टिकट जांच कर्मचारी और रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम को मैदान में उतारा गया है। यह टीम प्रत्येक स्टेशन से लगभग 100 किलोमीटर के दायरे में तीन ट्रेनों की गहन जांच करेगी, ताकि कोई भी अनधिकृत यात्री आरक्षित सीट पर बैठा न मिले।इस विशेष अभियान का नेतृत्व सीटीआई जनरल ग्वालियर राजीव शर्मा कर रहे हैं। उनके साथ कमलेश माहौर, उमंग राजावत और अरविंद जाटव सहित अन्य टिकट जांच कर्मी और आरपीएफ स्टाफ तैनात है।

## सम्पादकीय

# संघीय ढांचे पर आंच

भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में सत्ता किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, राज्यों में विरोधी दलों की सरकारों व राज्यपालों में टकराव की खबरें दशकों से अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैधानिक पद गाहे-बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं। दरअसल, विधानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया जाएगा। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरुआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है। यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरुआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है यहां यह तल्ख टकराव हाल में तमिलनाडु और केरल विधानसभा में हुए अप्रिय घटनाओं के बाद सामने आया है। विडंबना है कि ऐसी ही असहमतियां, हाल के वर्षों में आम हो चली हैं। जिसे भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता है। दरअसल, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों वाली सरकारों के मुखिया आरोप लगाते रहे हैं कि अधिकतर राज्यों में राज्यपाल का उपयोग केंद्र सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने वाले साधन के रूप में ही किया जा रहा है। निस्संदेह, राज्यों में राज्यपालों से उम्मीद की जाती है कि वे केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक निष्पक्ष पुल का दायित्व निभाएं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी राज्यपाल को मसविदा संबोधन पर आपत्ति उठाने का अधिकार तो होता है, लेकिन इसके प्रत्युत्तर में संवैधानिक नैतिकता भी अपरिहार्य है। निश्चित रूप से ऐसी किसी भी असहमति को संवाद के माध्यम से हल करने की जरूरत होती है। राज्यपाल और राज्य सरकारों को सदन के भीतर आमने-सामने की भिड़ंत से हर हाल में बचने का प्रयास करना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी भी राज्यपाल और राज्य सरकार का अंतिम लक्ष्य जनता के हितों की रक्षा करना ही होता है। लेकिन किसी भी स्थिति में जब राज्यपाल और राज्य सरकारें विपरीत उद्देश्यों के लिये काम करने लगते हैं, तो शासन की गुणवत्ता का प्रभावित होना स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से यह केवल अहम का टकराव मात्र नहीं है। यह सरोकारों के संघवाद की भी एक परीक्षा है। उल्लेखनीय है कि आजकल केंद्र सरकार राजभवनों का नाम बदलकर लोकभवन बनाने की मुहिम चला रही है। केंद्र सरकार का कहना है कि राजभवन का संबोधन औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। निस्संदेह लोकतंत्र में राजभवन राजतंत्र का पर्याय होने का आभास देता है। लोकतंत्र में लोकभवन सही मायनों में लोक का ही प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन यह लोकभवन शब्द तब ही सार्थक हो सकता है जब जनता के हितों को राजनीतिक टकराव से ऊपर रखा जाएगा। निश्चित रूप से सत्ता के दोनों ही केंद्रों को जनादेश का सम्मान ईमानदारी से करना चाहिए। यह भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये अपरिहार्य शर्त भी है जिसका पालन राज्यपाल व राज्य सरकारों को पूरा करना ही चाहिए।

# दुनिया के लिए प्रेरक बनता भारत का चुनावी तंत्र

जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है। स्वाधीनता के बाद जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपनाया, वह हमारी अपनी नहीं, पश्चिम से आयातित है। दिलचस्प है कि आज यही व्यवस्था दुनियाभर में शासन की बेहतर प्रणाली के रूप में स्वीकार्य है। इसकी बुनियाद में इंग्लैंड की सन 1215 में हुई मैग्नाकार्टा की संधि है। आज का लोकतंत्र इसी संधि से निकले कानूनों और परंपराओं से विकसित हुआ है। जबकि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल में भारतीय दिलों की पारंपरिक लोकतांत्रिक सोच है। दुर्भाग्य से भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली की महत्ता को दुनिया हाल तक स्वीकार करने से हिचकती रही है। ऐसे माहौल में अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक एवं चुनावी सहायता संस्थान की अगुआई भारत को मिलना मामूली बात नहीं है। अंग्रेजी में इस संस्थान को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेटिक एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस यानी आईडीईए के नाम से जाना जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि भारतीय लोकतंत्र की अहमियत वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य हो रही है। वैश्विक लोकतांत्रिक परिदृश्य के लिहाज से भारत को मिली अगुआई ऐतिहासिक है। 1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अब 37 हो चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान स्थायी पर्यवेक्षक के तौर पर इस संगठन में शामिल हो चुके हैं। करीब आठ अरब जनसंख्या वाली दुनिया के करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाता इसी संगठन के सदस्य देशों के पास हैं। जिसमें भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। आंकड़ों से साफ है कि सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत है। इस लिहाज से देखें तो भारत की अध्यक्षता उसके लिए औपचारिक दायित्व से कहीं ज्यादा वैचारिक नेतृत्व का अवसर हो सकती है। इस संगठन में सदस्य देशों के चुनाव आयोग या चुनाव कराने वाली संस्थाएं ही शामिल होती हैं, लिहाजा भारतीय चुनाव आयोग इस संस्था का सदस्य है। जाहिर है कि इसी नाते अध्यक्षता भी आयोग के ही पास है। जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है। ऐसे वातावरण में चुनाव आयोग को आईडीईए की अध्यक्षता मिलना सामान्य बात नहीं, बल्कि भारतीय चुनाव प्रणाली की वैश्विक स्वीकृति और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। दुनिया अब तक लोकतंत्र को पश्चिमी मॉडलह्व के चश्मे से ही देखती रही है। जबकि इसके मूल में लोकतांत्रिक आत्मा नहीं, बाजार केंद्रित राजनीतिक ढांचा है, जहां व्यक्ति की बजाय संस्थाओं की स्वाधीनता और संसदीय परंपराओं पर जोर है। संचार और सूचना क्रांति एवं आर्थिक बदलावों के चलते आज का मतदाता बेहद जागरूक हो चला है। वह अपनी निजी राय की अहमियत की भी चाहत रखता है। इस वजह से पश्चिमी मॉडल वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सोच बदली है। भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था अगर तनकर खड़ी है, तो उसके पीछे इन वैचारिक बदलावो का बड़ा योगदान है। एक अरब की भारी-भरकम मतदाता संख्या वालेभारतीय चुनावी तंत्र में भागीदारी बढ़ना मामूली बात नहीं है। इसे भारतीय चुनावी तंत्र की लचीली किंतु मजबूत व्यवस्था की सफलता के रूप में भी देखा जाना चाहिए। भारतीय चुनावी प्रबंधन में बढ़ते नवाचार, डिजिटल चुनावी प्रबंधन पर जोर, दिव्यांग और दूरस्थ मतदाताओं तक बढ़ती पहुँच, के लिए चुनाव आयोग की सोच ज्यादा जिम्मेदार है। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने जितने प्रयोग किए हैं, वैसा उदाहरण कहीं और नहीं दिखता। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में अगर मतदाता भागीदारी बढ़ी है, तो माना जा सकता है कि चुनाव आयोग के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ है। इस लिहाज से देखें तो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहुंच पुस्तकालयों और विमर्श के संस्थागत मंचों की बजाय बूथ और अंतिम व्यक्ति तक बढ़ी है। इस संदर्भ में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में 21 से 23 जनवरी के बीच आईडीईए देशों के चुनाव प्रमुखों और अधिकारियों की होने जा रही बैठक बेहद अहम हो जाती है। माना जा रहा है कि आयोग से दुनियाभर के अधिकारी जानना चाहेंगे कि मतदाताओं की भारी संख्या के बावजूद आयोग उन तक कैसे पहुंचता है और चुनाव प्रणाली की पवित्रता कैसे बरकरार है। चुनावी पवित्रता की नाभि-नाल पारंपरिक लोकतांत्रिक प्रणाली से जुड़ी है। प्राचीन भारत का बज्जि गणतंत्र आधुनिक प्रणाली से कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक और लोकोन्मुखी था। दक्षिण भारत के दसवीं सदी के चोल शासकों ने ग्रामीण शासन व्यवस्था के लिए जो व्यवस्था अपना रखी थी, उसे आधुनिक राजनीति विज्ञानी भी बेहतरीन प्रणाली मान रहे हैं। मैग्नाकार्टा के कुछ साल पहले कर्नाटक में लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक संत बसवेश्वर ने जिस अनुभव मंडपम् की स्थापना की थी, उसमें समाज के हर वर्ग के लोग धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते थे और एक परिणति तक पहुंचते थे। राजनीति शास्त्री इसे आधुनिक संसद का प्रथम स्वरूप मानते हैं। अज हमारी चुनाव प्रणाली मजबूत है तो इसकी एक वजह हमारी यह परंपरा भी है। वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक राष्ट्रों के समक्ष चुनौतियां बढ़ी हैं। जिनके लिए भारत का अनुभव प्रेरक हो सकता है। वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र के लिए ध्रुवीकरण, दुष्प्रचार और साइबर हस्तक्षेप, चुनावी धन में पारदर्शिता की कमी एवं युवाओं की घटती रुचि खतरा बन रही हैं।


*1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अब 37 हो चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान स्थायी पर्यवेक्षक के तौर पर इस संगठन में शामिल हो चुके हैं। करीब आठ अरब जनसंख्या वाली दुनिया के करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाता इसी संगठन के सदस्य देशों के पास हैं। जिसमें भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। आंकड़ों से साफ है कि सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत है। इस लिहाज से देखें तो भारत की अध्यक्षता उसके लिए औपचारिक दायित्व से कहीं ज्यादा वैचारिक नेतृत्व का अवसर हो सकती है। इस संगठन में सदस्य देशों के चुनाव आयोग या चुनाव कराने वाली संस्थाएं ही शामिल होती हैं, लिहाजा भारतीय चुनाव आयोग इस संस्था का सदस्य है। जाहिर है कि इसी नाते अध्यक्षता भी आयोग के ही पास है। जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है। ऐसे वातावरण में चुनाव आयोग को आईडीईए की अध्यक्षता मिलना सामान्य बात नहीं, बल्कि भारतीय चुनाव प्रणाली की वैश्विक स्वीकृति और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। दुनिया अब तक लोकतंत्र को पश्चिमी मॉडलह्व के चश्मे से ही देखती रही है। जबकि इसके मूल में लोकतांत्रिक आत्मा नहीं, बाजार केंद्रित राजनीतिक ढांचा है, जहां व्यक्ति की बजाय संस्थाओं की स्वाधीनता और संसदीय परंपराओं पर जोर है। संचार और सूचना क्रांति एवं आर्थिक बदलावों के चलते आज का मतदाता बेहद जागरूक हो चला है। वह अपनी निजी राय की अहमियत की भी चाहत रखता है। इस वजह से पश्चिमी मॉडल वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सोच बदली है। भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था अगर तनकर खड़ी है, तो उसके पीछे इन वैचारिक बदलावो का बड़ा योगदान है। एक अरब की भारी-भरकम मतदाता संख्या वालेभारतीय चुनावी तंत्र में भागीदारी बढ़ना मामूली बात नहीं है। इसे भारतीय चुनावी तंत्र की लचीली किंतु मजबूत व्यवस्था की सफलता के रूप में भी देखा जाना चाहिए। भारतीय चुनावी प्रबंधन में बढ़ते नवाचार, डिजिटल चुनावी प्रबंधन पर जोर, दिव्यांग और दूरस्थ मतदाताओं तक बढ़ती पहुँच, के लिए चुनाव आयोग की सोच ज्यादा जिम्मेदार है। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने जितने प्रयोग किए हैं, वैसा उदाहरण कहीं और नहीं दिखता। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में अगर मतदाता भागीदारी बढ़ी है, तो माना जा सकता है कि चुनाव आयोग के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ है। इस लिहाज से देखें तो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहुंच पुस्तकालयों और विमर्श के संस्थागत मंचों की बजाय बूथ और अंतिम व्यक्ति तक बढ़ी है। इस संदर्भ में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में 21 से 23 जनवरी के बीच आईडीईए देशों के चुनाव प्रमुखों और अधिकारियों की होने जा रही बैठक बेहद अहम हो जाती है।*


# अगले महीने हाथ मिला सकते हैं दो अकाली दल

शिरोमणि अकाली दल, जिसे अकाली दल बादल के नाम से जाना जाता है, जिसने पिछले 2 दशकों में 3 बार सरकार बनाई है, पिछले एक दशक से बहुत मुश्किल समय का सामना कर रहा है। इस मुश्किल समय का कारण न केवल सरकार चलाते समय की गई गलतियां हैं, बल्कि कई नए अकाली दलों का उभरना भी है। इनमें शिरोमणि अकाली दल डैमोक्रेटिक, शिरोमणि अकाली दल टकसाली, शिरोमणि अकाली दल संयुक्त, अकाली दल वारिस पंजाब दे और शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत शामिल हैं। हालांकि अब अकाली दल डैमोक्रेटिक, अकाली दल टकसाली और अकाली दल संयुक्त का वजूद नहीं है लेकिन अकाली दल वारिस पंजाब दे और शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत शिरोमणि अकाली दल बादल के लिए बड़ा सिरदर्द बन गए हैं। अकाली दल वारिस पंजाब दे के 2 बड़े नेता भाई अमृतपाल सिंह और भाई सरबजीत सिंह पार्टी बनाने से पहले ही लोकसभा चुनाव जीत चुके थे। बाद में, उनके समर्थकों ने भाई अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह और भाई सरबजीत सिंह के साथ मिलकर अकाली दल वारिस पंजाब दे नाम की पार्टी बनाई और जेल में बंद भाई अमृतपाल सिंह को पार्टी का अध्यक्ष घोषित किया। फिर पार्टी का संगठनात्मक ढांचा बनाना शुरू किया। सबसे पहले, पार्टी की सबसे ताकतवर कमेटी, पंच प्रधानी पंज मैंबरी कमेटी बनाई गई। इसके बाद, 13 मैंबर वाली वर्किंग कमेटी और 13 प्रवक्ता नियुक्त किए गए। जिला लैवल पर कार्रवाई चलाने के लिए सभी जिलों से ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए और निचले स्तर पर एक ढांचा तैयार किया जा रहा है। हालांकि शिरोमणि अकाली दल पुनर सुरजीत ने शुरू में ढांचा बनाने में लापरवाही दिखाई, लेकिन बाद में बड़े स्तर पर पद बांटे गए। पार्टी अध्यक्ष ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कोर कमेटी, पार्टी के सीनियर वाइस प्रैसिडैंट, वाइस प्रैसिडैंट, महासचिव, संगठनात्मक सचिव, ऑफिस सैक्रेटरी और कई दूसरे पदाधिकारियों की घोषणा की। पार्टी अध्यक्ष ने पार्टी के चीफ स्पोक्सपर्सन और स्पोक्सपर्सन भी नियुक्त किए। राजनीतिक मामलों पर सोच-विचार करने और फैसले लेने के लिए एक राजनीतिक मामलों की समिति (पी.ए.सी.) भी बनाई गई। इतना बड़ा ढांचा बनाने के बावजूद, अकाली दल पुनर सुरजीत लोगों की उम्मीदों के मुताबिक राजनीतिक कदम उठाने में कामयाब नहीं हो सका। यहां तक कि पार्टी खुद की बनाई गाइडलाइंस पर भी कायम नहीं रह सकी कि एक परिवार को एक पद मिलना चाहिए, जिससे पार्टी के आगे के कामकाज पर सवालिया निशान लगने लगे। यहां तक कि इसी वजह से पार्टी की भर्ती के शुरूआती दौर में मेहनती वर्कर और नेता भी साफ तौर पर परेशान थे कि मेहनती लोग पीछे छूट गए। उनमें से कई को एक भी पद नहीं मिला और नए तथा बड़े नेताओं के परिवार वालों को कई पद दे दिए गए। इसी दुविधा के चलते अकाली दल पुनर सुरजीत ने ढांचा खत्म करने का फैसला किया है, हालांकि कोई भी बड़ा नेता खुलकर इस फैसले को सपोर्ट नहीं करता, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि पार्टी का नाम चुनाव आयोग में रजिस्टर कराने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। अकाली दल पुनर सुरजीत ने इलैक्शन कमीशन ऑफ इंडिया में पार्टी की रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है। जानकारी के मुताबिक, पार्टी ने 3 नाम लिखे हैं, जिनमें शिरोमणि अकाली दल पंजाब, शिरोमणि अकाली दल सर्ब हिंद और अकाली दल शामिल हैं। इस तरह, अगर चुनाव आयोग इनमें से किसी भी नाम को मान्यता देता है, तो अकाली दल पुनर सुरजीत का स्थान एक नया अकाली दल ले लेगा। अब जब विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक साल बचा है, तो अकाली दल पुनर सुरजीत और वारिस पंजाब दे ने पिछले ब्लॉक समिति और जिला परिषद के चुनाव न लड़कर शिरोमणि अकाली दल बादल को जरूर नुकसान पहुंचाया लेकिन दोनों पाíटयों के नेताओं को पता चल गया है कि चुनाव न लडने की वजह से दोनों पाघ्टयों की हालत शिरोमणि अकाल दल बादल से कमजोर दिखने लगी है, इसलिए दोनों पार्टियों के नेता खुद को विरोधी अकाली दल से ज्यादा मजबूत साबित करने का तरीका ढूंढ रहे हैं। इसी वजह से माघी के मौके पर कॉन्फ्रैंस न करने के बावजूद, अकाली दल पुनर सुरजीत के दो बड़े नेताओं ने अकाली दल वारिस पंजाब दे के मंच से संबोधित होकर लोगों तक अपनी पार्टी का मैसेज पहुंचाने की कोशिश की और शिरोमणि अकाली दल बादल को यह भी बताने की कोशिश की कि शिरोमणि अकाली दल बादल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के अध्यक्ष का पद छोड़े बिना एकता मुमकिन नहीं है। लेकिन सुखबीर सिंह बादल ने इस बात का ध्यान रखते हुए अकाली दल पुनर सुरजीत और दूसरे अकाली नेताओं से शिरोमणि अकाली दल बादल में शामिल होने की अपील दोहराई। अब जब अकाली दल बादल और अकाली दल पुनर सुरजीत के नेता अपनी-अपनी बात पर अड़े हैं, तो अकाली दल पुनर सुरजीत और अकाली दल वारिस पंजाब दे के लिए सही रास्ता मेल-मिलाप का है। इस मकसद के लिए दोनों पाघ्टयों के नेताओं की हुई मीटिंग्स में काफी हद तक आम सहमति बन गई है। जल्द ही दोनों पाघ्टयों की लीडरशिप कॉमन मिनिमम प्रोग्राम बनाने के लिए एक संयुक्त कमेटी बनाने का फैसला कर सकती है।

# भारत का भविष्य-निर्माण, मांग, रोजगार के अवसर और आत्मनिर्भरता

गिरिराज सिंह

प्रत्येक भारतीय वस्त्र उत्पाद में कपड़े से कहीं आगे की कहानी छिपी होती है, यह कहानी साहस, आत्मविश्वास और शांत परिवर्तन से जुड़ी है। यह प्रतिबिंबित करती है कि कैसे एक महिला गरिमा के साथ कार्यबल में प्रवेश करती है, कैसे एक परिवार निरंतर आय के माध्यम से स्थिरता पाता है और किस प्रकार प्रथम-पीढ़ी का उद्यमी, कौशल को आत्मनिर्भरता में बदल देता है। पिछले 11 वर्षों में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत का वस्त्र क्षेत्र एक पारंपरिक उद्योग से एक शक्तिशाली, रोजगार सृजक और जन-केंद्रित वृद्धि इंजन में बदल गया है, जो आत्मनिर्भर भारत की सच्ची भावना को दर्शाता है। भारत के वस्त्र उद्योग के पुनरुत्थान का आधार मजबूत घरेलू मांग और बढ़ते उपभोग में निहित है। 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ, भारत दुनिया के सबसे सुदृढ़ वस्त्र बाजारों में से एक है। इस परिवर्तन का पैमाना आंकड़ों से स्पष्ट होता है। भारत का घरेलू वस्त्र बाजार केवल 5 वर्षों में लगभग 8.4 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर अनुमानित 13 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले दशक में प्रति व्यक्ति वस्त्र उपभोग लगभग दोगुना हो गया है, जो 2014-15 के लगभग 3,000 रुपए से बढ़कर 2024-25 में 6,000 रुपए से अधिक हो गया और 2030 तक फिर इसके दोगुनी वृद्धि के साथ 12,000 रुपए होने का अनुमान है। इस मांग-आधारित विस्तार का प्रतिबिंब निर्यात में दिखाई पड़ता है। वस्त्र और परिधान का निर्यात 2019-20 के 2.49 लाख करोड़ रुपए, जिस वर्ष कोविड की आपदा आई थी, से बढ़कर 2024-25

में लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार कोविड के बाद के दौर में लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वस्त्र उद्योग भारत की रोजगार अर्थव्यवस्था का प्रमुख घटक है। आज, यह क्षेत्र कृषि के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार-प्रदाता है, जो 2023-24 के अंत तक लगभग 5.6 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से समर्थन दे रहा है। कार्यबल की यह संख्या 2014 की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है। कोविड के बाद का चरण विशेष रूप से परिवर्तनकारी रहा है- 2020 से निर्यात-केंद्रित विकास से केवल संगठित क्षेत्र में ही अनुमानित 1.5 करोड़ नई नौकरियों का सृजन हुआ है। इस निर्यात सुदृढ़ता के पीछे एक निर्णायक बदलाव छिपा है, जो क्षमता-आधारित वृद्धि की दिशा में किया गया है। पिछले दशक में वस्त्र क्षेत्र का विस्तार एक अनजानी नायिका, सिलाई मशीन, की शक्ति से संभव हुआ। एक उपकरण से आगे बढ़ कर सिलाई मशीन वृद्धि के लिए एक उत्प्रेरक बन गई है, इससे यह बात साबित होती है कि कभी-कभी रोजगार और औद्योगिक स्तर पर सबसे बड़े परिवर्तन सबसे छोटी मशीनों से शुरू होते हैं। केवल कोविड के बाद ही, 1.8 करोड़ से अधिक सिलाई मशीनें भारत के उत्पादन इकोसिस्टम के लिए आयात की गई हैं। 2024-25 में, आयात 61 लाख मशीनों के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक है। प्रत्येक मशीन वस्त्र-से-परिधान मूल्य श्रृंखला में लगभग 1.7 श्रमिकों के रोजगार का समर्थन करती है। परिणामस्वरूप, महामारी के बाद सिलाई मशीन के आयात में वृद्धि से वस्त्र क्षेत्र में 3 करोड़ से अधिक नौकरियों का सृजन हुआ है, इस प्रकार क्षमता विस्तार को बड़े पैमाने पर रोजगार वृद्धि के साथ मजबूती से जोड़ा गया है। महत्वपूर्ण यह है कि रोजगार सृजन केवल आधुनिक कारखानों तक सीमित नहीं रहता। जब इकाइयां उन्नत होती हैं, तो पुरानी मशीनें ग्रे मार्कीट में चली जाती हैं और छोटे उद्यमों, सिलाई इकाइयों और घरेलू व्यवसायों द्वारा इनका पुनरू उपयोग किया जाता है, जिससे जमीनी स्तर पर रोजगार का विस्तार होता है। इस विकेंद्रीकृत विस्तार के केंद्र में महिलाएं, ग्रामीण युवा और पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। विशेष रूप से असंगठित खंड में इस रोजगार के पूरे पैमाने की पहचान करने और समझने के लिए, सरकार जिला नेतृत्व में वस्त्र रूपांतरण (डी.एल.टी.टी.) पहल को आगे बढ़ा रही है, जो यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है कि रोजगार वृद्धि केवल संख्या में बड़ी न हो, बल्कि कौशल, सामाजिक सुरक्षा और दीर्घकालिक स्थिरता द्वारा समर्थित भी हो। 2030 के लिए हमारा विजन स्पष्ट है- वस्त्र उद्योग को भारत में रोजगार सृजन और समावेशी विकास के सबसे मजबूत इंजनों में से एक के रूप में स्थापित करना। फास्ट फैशन एक शक्तिशाली नए संचालक के रूप में उभर रहा है। आज 20 अरब डॉलर के मूल्य वाले वैश्विक फास्ट फैशन बाजार की 2030 तक 60 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके लिए चुस्त निर्माण और तेज उत्पादन की मांग भारत को अनुकूल स्थिति प्रदान करती है और इससे अगले 4 वर्षों में रोजगार के लगभग 40 लाख अतिरिक्त अवसरों के सृजन की उम्मीद है।

# थाने में पत्रकार, कटघरे में पत्रकारिता

जम्मू-कश्मीर में साइबर पुलिस की ओर से पत्रकारों को तलब किए जाने पर और उनसे हलफनामे पर हस्ताक्षर करने के लिए दबाव बनाने के आरोपों पर प्रेस की आजादी का सवाल नए सिर से खड़ा हो गया है। पिछले हफ्ते जम्मू-कश्मीर में पुलिस ने मस्जिदों की प्रबंधन समितियों के सदस्यों और उनके परिवारों की सभी निजी जानकारियां इकठ्ठा करने का अभियान शुरू किया था। कई बड़े अखबारों के इस खबर को छापने पर श्रीनगर में मौजूद उनके संवाददाताओं को साइबर पुलिस ने तलब किया। इसी सिलसिले में इंडियन एक्सप्रेस और हिंदुस्तान टाइम्स के पत्रकारों के साथ किया गया सलूक अब विवाद का कारण बन गया है। इंडियन एक्सप्रेस की खबर के मुताबिक पिछले 20 सालों से उनके संपादक रहे बशारत मसूद ने श्रीनगर के साइबर पुलिस थाने में चार दिनों में 15 घंटे बिताए और उनसे एक बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने को कहा गया कि वह शांति भंग करने वाला कोई काम नहीं करेंगे। हालांकि बशारत मसूद ने हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। वहीं हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी खबर में कहा कि उसके संवाददाता आशिक हुसैन को भी मौखिक समन मिला था, लेकिन अखबार ने जवाब देने के लिए श्कारण सहितश लिखित समन की मांग की।इस मामले पर एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने पत्रकारों की स्वतंत्रता और सुरक्षा का सवाल उठाते हुए एक बयान जारी कर कहा है कि, श्पत्रकारों को मनमाने ढंग से तलब करना, पुलिस की ओर से पूछताछ करना और दबाव में हलफनामे लेने की कोशिश करना, मीडिया को उसके वैध कर्तव्यों के निर्वहन से रोकने के लिए किया गया जबरदस्ती और डराने-धमकाने जैसा कदम है।श एडिटर्स गिल्ड ने पुलिस और अधिकारियों से ऐसी कार्रवाइयां नहीं करने की अपील की है, जो अभिव्यक्ति की आजादी को सीमित करती हैं और मीडिया को उसके मूल कामकाज से रोकती हैं। वहीं डिजीटल मीडिया के संगठन डिजीपब न्यूज इंडिया फाउंडेशन ने इसे श्पत्रकारों का उत्पीड़नश बताया है। डिजीपब के बयान में कहा गया, श्पत्रकारों को तलब करने के ठोस कारण नहीं बताए गए। हफ्श्तों तक उन्हें अलग-अलग अधिकारियों के पास भेजा जाता रहा, लेकिन बार-बार पूछने के बावजूद किसी कथित अपराध की जानकारी नहीं दी गई। जनहित के लिए की जाने वाली ऐसी पत्रकारिता को अपराध की तरह पेश करना और बिना कघनूनी प्रक्रिया के श्पत्रकारों को बॉन्ड पर हस्ताक्षर के लिए मजबूर करना प्रेस की आजादी पर गंभीर हमलाश है। बयान में यह भी कहा कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से श्जम्मू-कश्मीर में प्रेस की आजादी लगातार कमजोर हुईश है।इन दोनों महत्वपूर्ण संगठनों के बयानों से जाहिर होता है कि प्रेस की आजादी को लेकर वे चिंतित हैं, लेकिन पिछले 12 सालों में पत्रकार उत्पीड़न की यह न पहली घटना है और न इसे आखिरी माना जा सकता है। बल्कि अब जो हालात बने हैं, उसमें स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए जगह सिमटती जा रही है। इन दोनों संगठनों को अगर पत्रकारों और पत्रकारिता की हालत दुरुस्त करनी है, तो सरकार से केवल अपील करके काम नहीं चलेगा, इसके लिए दीर्घकालिक योजना बनाने और पत्रकारों को एकजुट करने की भी जरूरत है।मौजूदा माहौल में पत्रकार भी दो खेमे में बंटे हुए हैं। एक तबका वह है जो दीपावली और नए साल के मौकों पर सत्ता से तोहफे लेकर खुश है। यह तबका खुद को राष्ट्रवादी मानकर सरकार की आलोचना को पाप समझता है और लगातार उन्हीं मुद्दों पर खबरें बनाता है, विमर्श करता है, जिससे सरकार को फायदा पहुंचे। दूसरी तरफ वो पत्रकार हैं, जो सारे जोखिम उठाकर सत्ता पर बैठे लोगों से ऐसे सवाल पूछते हैं, जिनसे सत्ताधारियों को असुविधा होती है। इन पत्रकारों को घंटा देख कर आए हो, जैसे जवाब सुनने पड़ते हैं। इसके बाद भी कुछ आवाजें तो पत्रकार के समर्थन में उठती हैं, लेकिन बाकी फौरन लीपापोती में जुट जाते हैं।जम्मू-कश्मीर में ही 2019 के बाद फहाद शाह के अखबार श्कश्मीरवालाश को बंद कर दिया गया और उन्हें सेंट्रल जेल भेजा गया, जहां 21 महीने बाद उन्हें जमानत मिली। पिछले साल नवंबर में जम्मू में श्कश्मीर टाइम्सश के दफ्श्तर पर छापा मारा गया और पुलिस ने दावा किया कि वहां हथियार मिले हैं। यह अखबार कई साल पहले छपना बंद हो चुका है और अब सिर्फ ऑनलाइन पोर्टल चलाता है। इन घटनाओं पर इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स और रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसी वैश्विक संगठनों ने चिंता जता चुके हैं। लेकिन इसमें देशव्यापी स्तर पर जैसा विरोध देखने मिला था, वह नहीं हुआ। अभी की घटना पर भी इंडियन एक्सप्रेस ने एक बयान में कहा है कि, श्हम अपने पत्रकारों के सम्मान और गरिमा की सुरक्षा में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।श लेकिन सवाल यही है कि यह कैसे होगा।मीडिया पर पूंजी का शिकंजा इतना अधिक कस चुका है कि अब मीडिया मालिकों के लिए सत्ता से भिड़ना आसान नहीं है। क्योंकि सत्ता और पूंजी जिनके हाथों में है, उन्हीं के हाथों में मीडिया भी दे दिया गया है। एनडीटीवी प्रकरण इसका ताजा उदाहरण है, जो अब अडानी समूह के स्वामित्व में है। लेकिन इससे पहले प्रणय रॉय और राधिका रॉय की देखरेख में यह स्वतंत्र पत्रकारिता की मिसाल हुआ करता था।

## ब्रजेश पाठक का अखिलेश यादव पर पलटवार, कहा,सपा का सनातन से कोई लेना-देना नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा प्रहार किया है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विषय पर अखिलेश यादव के आरोपों को लेकर ब्रजेश पाठक ने कहा कि समाजवादी पार्टी का सनातन संस्कृति से कोई लेना-देना नहीं है। अखिलेश यादव ने अपने एक बयान में कहा कि भाजपा सनातन धर्म का अपमान कर रही है। इस पर जवाब देते हुए शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, समाजवादी पार्टी को बोलने का कोई अधिकार नहीं है। पहले उसे जवाब देना होगा कि जब अयोध्या धाम में कार सेवक इकट्ठा हुए थे, तो उन्होंने निहत्थे कार सेवकों पर गोली क्यों चलाई और सरयू नदी के पानी को खून से क्यों रंगा? उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा, अखिलेश यादव सिर्फ ढोंग कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का सनातन संस्कृति से कोई लेना-देना नहीं है। इतिहास समाजवादी पार्टी को कभी माफ नहीं करेगा। समाजवादी पार्टी को जाति आधारित दल बताते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा कि ऐसे दल जाति-धर्म, संप्रदाय के आधार पर समाज में विभेद डालते हैं।

# कोलेस्ट्रॉल और बीपी नॉर्मल होने के बाद भी आ सकता है हार्ट अटैक, डॉक्टर से जान लें इसके मूल कारण

आज के समय में हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ते हैं जा रहे हैं। हार्ट अटैक बढ़ने के पीछे का बड़ा कारण हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल को माना जाता है, मगर इसके अलावा भी कुछ शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं हैं जिसके जो हार्ट अटैक का कारण बन सकते हैं, आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। अक्सर हम मानते हैं कि अगर हमारी ब्लड रिपोर्ट में कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर का लेवल सामान्य है, तो हमारा दिल पूरी तरह सुरक्षित है। मगर यह धारणा पूरी तरह सच नहीं है, इसी विषय पर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक जरूरी जानकारी साझा की है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए। उन्होंने बताया है कि रिपोर्ट में बीपी और कोलेस्ट्रॉल नॉर्मल आने के बावजूद अचानक हार्ट अटैक आना संभव है, क्योंकि हृदय रोग के पीछे अन्य कई 'अदृश्य' कारण भी जिम्मेदार होते हैं। यह स्थिति उन लोगों के लिए अधिक खतरनाक है जो अपनी रिपोर्ट्स पर आंख मूंदकर भरोसा करते हैं और जीवनशैली की अन्य गंभीर समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं। डॉक्टर सोलंकी के अनुसार हार्ट अटैक केवल बीपी और कोलेस्ट्रॉल का खेल नहीं है, बल्कि यह शरीर के भीतर छिपी अन्य समस्याओं के कारण भी हो सकता है। आइए इस लेख में हम उन पांच प्रमुख कारणों के बारे में जानते हैं जो हार्ट अटैक का कारण बन सकते हैं।

**बीपी और कोलेस्ट्रॉल सामान्य होने पर भी हार्ट अटैक क्यों आता है?**

डॉक्टर सोलंकी के अनुसार शरीर में छिपी हुई सूजन इसका सबसे बड़ा कारण है। जब खून में 'होमोसिस्टीन' का लेवल बहुत अधिक बढ़ जाता है, तो यह संकेत देता है कि शरीर के भीतर सूजन अधिक है। यह सूजन धमनियों में जमे प्लाक को अनस्टेबल कर देती है, जो कभी भी फट सकता है और अचानक हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।

दूसरा प्रमुख कारण इंसुलिन रेजिस्टेंस और पेट की चर्बी (बेली फैट) है। डॉक्टर ने स्पष्ट किया कि भले ही आपका शुगर लेवल फिलहाल कम या नॉर्मल हो, लेकिन अगर आपको इंसुलिन रेजिस्टेंस है और पेट पर अधिक चर्बी जमा है, तो यह आपकी धमनियों को भीतर से डैमेज करना शुरू कर देता है। यह आंतरिक क्षति हार्ट अटैक के जोखिम को कई गुना बढ़ा देती है। अक्सर सामान्य कोलेस्ट्रॉल रिपोर्ट में 'स्मॉल डेंस छउछ' का पता नहीं चलता। डॉक्टर सोलंकी के मुताबिक भले ही कुल कोलेस्ट्रॉल नॉर्मल हो, लेकिन ये छोटे और डेंस कण धमनियों की दीवारों के भीतर घुसकर प्लाक बनाते हैं। यह स्थिति अत्यधिक तनाव से ट्रिगर होती है, जिससे धमनियां अचानक ब्लॉक हो सकती है और व्यक्ति को गंभीर दौरा पड़ सकता है।

**पाचन तंत्र और मानसिक स्वास्थ्य का दिल से क्या संबंध है?**

डॉक्टर ने चौंकाने वाली बात बताई कि आंतों की समस्याएं जैसे बार-बार ब्लोटिंग होना भी हृदय रोग से जुड़ा हो सकता है। इसके अलावा अत्यधिक तनाव, बार-बार गुस्सा करना और नींद की भारी कमी भी दिल की सेहत के लिए सबसे बड़े दुश्मन हैं। बहुत ज्यादा तनाव और नींद की कमी सीधे तौर पर दिल की धड़कन और धमनियों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर भविष्य के खतरे को बढ़ाते ह

**क्या करें?**

यह खबर हमें सिखाती है कि हृदय स्वास्थ्य केवल कोलेस्ट्रॉल के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। डॉक्टर सोलंकी की यह सलाह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें 'मेटाबॉलिक हेल्थ' और 'इन्फ्लेमेशन' पर ध्यान देने की प्रेरणा देती है। अपने गुस्से पर काबू करें, पेट की सेहत का ध्यान रखें और भरपूर नींद लें। आपका दिल आपकी पूरी जीवनशैली का प्रतिबिंब है।

## छिलका समेत या छीलकर, अच्छे सेहत के लिए क्या है बादाम खाने का सही तरीका?

जो भी स्वास्थ्य के प्रति थोड़ा बहुत भी जागरुक हैं उनमें से अधिकतर लोग रोज बादाम खाना पसंद करते हैं। भीगे हुए बादाम का सेवन करना हमारे सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। ऐसे में बहुत लोगों के मन में ये सवाल रहता है कि

बादाम को छिलकर खाना चाहिए या बिना छिले ही खाना चाहिए? आइए जानते हैं। बादाम को याददाश्त बढ़ाने और शरीर को एनर्जी देने वाला 'सुपरफूड' माना जाता है, लेकिन इसे खाने के तरीके को लेकर अक्सर घरों में बहस छिड़ी रहती है। कोई इसे सूखा खाना पसंद करता है, तो कोई रात भर भिगोकर। इतना ही नहीं जो लोग इसे भिगोकर खाते हैं उनके दिमाग में भी ये सवाल रहता है कि इसे छिलकर खाना चाहिए या बिना छिले खाना चाहिए। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो बादाम खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, इसके भीतर मौजूद विटामिन-ए, मैग्नीशियम और हेल्दी फैट्स सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। गलत तरीके से बादाम का सेवन न केवल इसके पोषक तत्वों के अवशोषण को बाधित करता है, बल्कि पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव भी डाल सकता है। यही कारण है कि आयुर्वेद से लेकर आधुनिक पोषण विज्ञान तक, बादाम खाने के एक विशेष तरीके पर जोर देते हैं ताकि इसके औषधीय गुणों का अधिकतम लाभ मिल सके। आइए इस लेख में जानते हैं कि आपके स्वास्थ्य के लिए बादाम का छिलका हटाकर खाना क्यों जरूरी है और भिगोने की प्रक्रिया इसे कैसे अधिक सुपाच्य बनाती है।

**बादाम को छीलकर खाना सेहत के लिए क्यों बेहतर है?**

बादाम के भूरे छिलके में 'टैनिन' नामक तत्व पाया जाता है, जो पोषक तत्वों के अवशोषण को रोकता है। जब आप बिना छीले बादाम खाते हैं, तो यह टैनिन शरीर में जाकर आयरन और कैल्शियम जैसे खनिजों के अवशोषण में बाधा डालता है। छिलका उतारने से बादाम की तासीर बदल जाती है और शरीर इसके भीतर छिपे हुए विटामिन-ए और एंटीऑक्सीडेंट्स को आसानी से सोख लेता है। छिलका रहित बादाम नाजुक पाचन तंत्र के लिए भी अधिक अनुकूल होता है।

**बादाम को भिगोने से इसके पोषक तत्वों पर क्या असर पड़ता है?**

भिगोने की प्रक्रिया बादाम को 'जीवित' कर देती है। पानी में रहने से बादाम में मौजूद 'लिपेज' एंजाइम सक्रिय हो जाता है, जो शरीर में फैट को पचाने में मदद करता है। इसके अलावा, भिगोने से बादाम नरम हो जाते हैं, जिससे उन्हें चबाना आसान होता है और शरीर के भीतर जाने के बाद वे जल्दी टूटकर एनर्जी प्रदान करते हैं। सूखे बादाम की तुलना में भीगे हुए बादाम ज्यादा ठंडे और सुपाच्य माने जाते हैं।

# आंखों के नीचे काले घेरे कैसे हटाएं? आजमाएं ये असरदार घरेलू नुस्खे

आंखों के नीचे काले घेरे हटाने के लिए महंगे प्रोडक्ट्स लगाते हैं तो रुक जाइए। घर पर रखी ये चीजें प्राकृतिक तरीके से डार्क सर्किल को गायब कर सकते हैं। आंखों के नीचे काले घेरे आज की पीढ़ी की सबसे आम और सबसे अनदेखी समस्या हैं। देर रात तक मोबाइल, नींद की कमी, तनाव, स्क्रीन टाइम, गलत खानपान और बढ़ती उम्र आदि ये सभी मिलकर चेहरे की सबसे नाजुक त्वचा पर असर डालते हैं। महंगे क्रीम और इंस्टेंट पैच का असर कुछ देर के लिए हो सकता है लेकिन इनका लंबे समय तक सेवन त्वचा के लिए नुकसानदायक भी होता है। महंगे प्रोडक्ट्स के बजाय नेचुरल तरीके से काले घेरों को हटाने के लिए दादी-नानी के घरेलू नुस्खों को अपनाएं, जो आज भी कारगर हैं। ध्यान रखें कि इन नुस्खों को सही तरीके और नियमितता से अपनाया जाना चाहिए। आंखों के नीचे की त्वचा बेहद पतली होती है। यहां रक्त संचार कमजोर होने पर डार्क सर्कल्स उभरते हैं। ऐसे में प्राकृतिक चीजें, जो त्वचा को ठंडक दें, पोषण पहुंचाएं और ब्लड सकुर्लेशन बेहतर करें, सबसे असरदार साबित होती हैं। आइए जानते हैं डार्क सर्कल हटाने के घरेलू नुस्खे क्या हैं। साथ ही ये भी ध्यान रखें कि नुस्खे के साथ लाइफस्टाइल को सही रखना होता है। रोज 7-8 घंटे की नींद लें। स्क्रीन टाइम कम करें। दिन में कम से कम 8- 10 गिलास पानी पिएं। नमक और जंक फूड कम करें।

**कच्चा आलू**

आलू प्राकृतिक ब्लीच का काम करता है।

आलू में मौजूद एंजाइम्स डार्क सर्कल्स हल्के करने में मदद करते हैं।

आलू का रस निकालकर कॉटन से आंखों के नीचे लगाएं।

इससे रंगत में सुधार और सूजन में कमी आती है।

**गुलाब जल**

ये त्वचा के लिए टॉनिक का काम करता है।

गुलाब जल त्वचा को रिलैक्स करता है और रक्त संचार बढ़ाता है।

रात को सोने से पहले गुलाब जल में भीगे कॉटन पैड 10 मिनट रखें।

इससे आंखों की थकान और काले घेरे दोनों में राहत मिलती है।

बादाम का तेल पोषण का खजाना माना जाता है।

विटामिन ए से भरपूर बादाम तेल आंखों की नाजुक त्वचा को मजबूत करता है।

रात में हल्के हाथों से मसाज करें।

त्वचा कोमल होती है और डार्क सर्कल्स धीरे-धीरे हल्के पड़ते हैं।

**टी बैग**

ये तुरंत असर दिखाने वाला उपाय है।

ग्रीन टी या ब्लैक टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स सूजन कम करते हैं।

उपयोग किए हुए टी बैग ठंडे कर आंखों पर रखें।

डार्क सर्कल्स और पफीनेस दोनों में राहत देता है।

**ठंडा दूध**

दूध प्राकृतिक क्लीनजर का काम करता है।

दूध त्वचा को पोषण देता है और रंगत सुधारता है।

ठंडे दूध में कॉटन डुबोकर आंखों के नीचे लगाएं।

त्वचा सॉफ्ट और ब्राइट दिखती है।

# फैटी लिवर के मरीजों को भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ये गलतियां, वरना जान तक भी जा सकती है

फैटी लिवर एक गंभीर बीमारी है, हमारे देश की एक बड़ी आबादी इस बीमारी से ग्रसित है। ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर इस बीमारी के मरीज कुछ बातों का ध्यान नहीं रखते हैं तो ये उनके लिए जानलेवा भी साबित हो सकती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं। फैटी लिवर आज के समय में एक बड़ी बीमारी बन चुकी है, जो आधुनिक जीवनशैली और गलत खान-पान की वजह से तेजी से पैर पसार रहा है। अक्सर लोग लिवर में सूजन या हल्की चर्बी को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह लापरवाही भविष्य में लिवर सिरोसिस या लिवर फेलियर जैसी जानलेवा स्थितियों का आधार बनती है। जब लिवर अपनी क्षमता से अधिक फैट जमा करने लगता है, तो इसकी कार्यक्षमता घटने लगती है और शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलने बंद हो जाते हैं। यह स्थिति केवल शराब पीने वालों तक सीमित

नहीं है, बल्कि 'नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर' अब बच्चों और युवाओं में भी आम हो गया है। अब ध्यान देने वाली बात यह है कि अगर कोई इस समस्या से जूझ रहा है, तो कुछ ऐसी सामान्य लगने वाली गलतियां हैं जो आपके लिवर को हमेशा के लिए बर्बाद कर सकती हैं। इन गलतियों को समय रहते पहचानना और सुधारना आपकी सेहत को ठीक कर सकता है।

**फैटी लिवर के मरीजों के लिए कौन सी आदतें सबसे खतरनाक हैं?**

फैटी लिवर होने पर शरीर को अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है, लेकिन ये गलतियां स्थिति बिगाड़ सकती हैं-

कोल्ड ड्रिंक्स और पैकेज्ड जूस में मौजूद चीनी लिवर में सीधे फैट के रूप में जमा होती है।

बिना डॉक्टर की सलाह के पेनकिलर्स या सप्लीमेंट्स लेना लिवर पर दबाव बढ़ाता है।

देर रात भोजन करना रात के समय मेटाबॉलिज्म को धीमा कर देता है, जिससे खाया गया फैट सीधे लिवर में स्टोर हो जाता है।

शारीरिक व्यायाम की कमी चर्बी को बर्न करने के बजाय उसे लिवर के चारों ओर जमा करती है।

**क्या फैटी लिवर का इलाज न करने पर जान जा सकती है?**

जी हां, फैटी लिवर का बढ़ना एक खतरनाक बीमारी है। अगर शुरूआती 'स्टेज 1' पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह 'स्टीटोहेपेटाइटिस' में बदल जाता है, जहां लिवर की कोशिकाएं मरने लगती हैं और वहां घाव होने लगते हैं। अंतिम चरण में यह 'सिरोसिस' का रूप ले लेता है, जिसका एकमात्र समाधान लिवर ट्रांसप्लांट होता है। यह स्थिति शरीर के अन्य अंगों जैसे हृदय और किडनी को भी प्रभावित कर सकती है, जो जान जाने के जोखिम को कई गुना बढ़ा देता है।

**लिवर की सेहत सुधारने के लिए क्या बदलाव करें?**

लिवर में जमा चर्बी को कम करना असंभव नहीं है, बस आपको अनुशासन की जरूरत है- रिफाइंड कार्ब्स की जगह साबुत अनाज और हरी पत्तेदार सब्जियों को आहार में शामिल करें। दिन में कम से कम 30 मिनट टहलें या कार्डियो एक्सरसाइज करें, ये लिवर फैट को तेजी से कम करती है। शरीर के कुल वजन का केवल 5-7% कम करने से भी लिवर की सूजन में भारी कमी आती है। शराब लिवर कोशिकाओं के लिए जहर का काम करती है, इसलिए भूलकर इसका सेवन न करें।

**क्या करें?**

फैटी लिवर कोई ऐसी बीमारी नहीं है जिसे ठीक न किया जा सके, लेकिन इसके लिए आपको अपनी पुरानी आदतों का त्याग करना होगा। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अक्सर पेट के बाहरी घेरे की तो चिंता करते हैं, लेकिन शरीर के भीतर सबसे महत्वपूर्ण 'फिल्टर' यानी लिवर को भूल जाते हैं। अपनी जीवनशैली में आज ही सुधार करें, क्योंकि एक स्वस्थ जिवन के लिए लिवर का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। छोटी सी सावधानी आपको बड़ी सर्जरी और अस्पताल के चक्करों से बचा सकती है।

## क्या बैठे-बैठे पैर हिलाना चाहिए या नहीं? जानें ये आदत अच्छी है या बुरी

क्या आप भी अक्सर कुर्सी पर बैठे-बैठे पैर हिलाने लगते हैं? अगर हां, तो यह सवाल आपके मन में भी जरूर आया होगा कि क्या यह आदत सही है या गलत। आमतौर पर घर या ऑफिस में लोग टोक देते हैं। पैर मत हिलाओ, ये अच्छी आदत नहीं है। लेकिन क्या सच में पैर हिलाना नुकसानदायक है? आइए जानते हैं डॉक्टर क्या कहते हैं।

क्या बैठे-बैठे पैर हिलाना गलत है?

अक्सर पैर हिलाने को घबराहट, तनाव या बेचौनी से जोड़कर

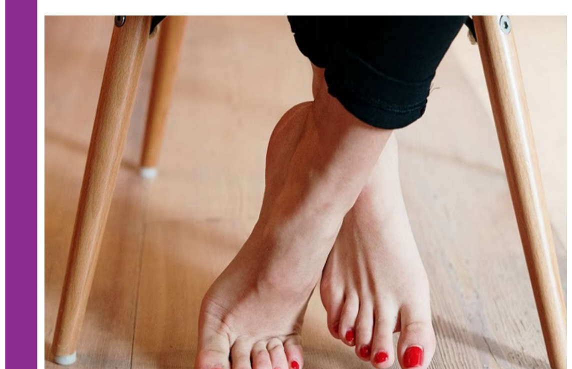

देखा जाता है। कई लोग मानते हैं कि यह नर्वस होने का संकेत है, लेकिन मेडिकल एक्सपर्ट्स की राय इससे थोड़ी अलग है। डॉक्टर के अनुसार, बैठे-बैठे पैर हिलाना पूरी तरह गलत नहीं बल्कि कई मामलों में फायदेमंद भी हो सकता है। यह एक तरह की माइक्रो-एक्सरसाइज है, जो शरीर को एक्टिव बनाए रखती है।

पैर हिलाने से शरीर को क्या फायदे होते हैं?

डॉक्टर के मुताबिक, पैर हिलाने से शरीर में कई सकारात्मक बदलाव होते हैं।

पैर हिलाने से 350 तक एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न हो सकती है।

यह माइक्रो मूवमेंट्स मांसपेशियों के ट्विच फाइबर्स को एक्टिव करती हैं।

मेटाबॉलिक रेट लगभग 28ः तक बढ़ सकता है।

यह 65ः तक स्टैंडिंग ब्लड फ्लो बनाए रखने में मदद करता है।

ब्लड सकुर्लेशन और सूजन में राहत

लगातार बैठने से पैरों में सूजन और ब्लड फ्लो की समस्या हो सकती है। पैर हिलाने से मसल पंप बनता है, जिससे खून दोबारा दिल तक पहुंचता है।

एंकल्स की सूजन 45ः तक कम हो सकती है

ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है

इंसुलिन सेंसिटिविटी 24ः तक बढ़ सकती है।

कमर दर्द में भी मिल सकता है आराम

जो लोग लंबे समय तक बैठे रहते हैं, उन्हें अक्सर कमर दर्द की शिकायत रहती है। ऐसे में हल्का-फुल्का पैर हिलाना शरीर को एक्टिव रखता है और लोअर बैक पेन कम करने में मदद कर सकता है।

पैर हिलाने के पीछे क्या हो सकते हैं कारण?

हर बार पैर हिलाना एक्सरसाइज का संकेत नहीं होता। इसके पीछे कुछ अन्य कारण भी हो सकते हैं।

आदतन एनर्जी बूस्ट के लिए

एंजाइटी और स्ट्रेस की वजह से

डिहाइड्रेशन या लो ब्लड प्रेशर

ज्यादा कैफीन या शराब का सेवन

शरीर में विटामिन बी12, आयरन, मैग्नीशियम या पोटैशियम की कमी।

कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी है?

अगर पैर हिलाना कंट्रोल से बाहर हो, नींद में भी हो, या साथ में कमजोरी, झनझनाहट या दर्द महसूस हो, तो यह किसी पोषण की कमी या नर्व से जुड़ी समस्या का संकेत हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सलाह जरूर लें। बैठे-बैठे पैर हिलाना हमेशा बुरी आदत नहीं है। सीमित और सामान्य रूप से किया जाए तो यह शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, अगर यह किसी स्वास्थ्य समस्या के कारण हो रहा है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

## सोच- समझकर खाएं प्रोटीन वाली चीजें, नहीं तो दिल और लिवर हो जाएंगे बर्बाद

वजन कम करने और मसल्स बनाने के लिए हाई-प्रोटीन डाइट की लंबे समय से तारीफ की जाती रही है। लेकिन अब एक स्टडी चिंता बढ़ा रही है, जिसमें बताया गया है कि बहुत ज्यादा प्रोटीन खाने से आपकी धमनियों को चुपचाप नुकसान पहुंच सकता है। लोग मान लेते हैं कि ज्यादा प्रोटीन का मतलब अपने आप बेहतर सेहत

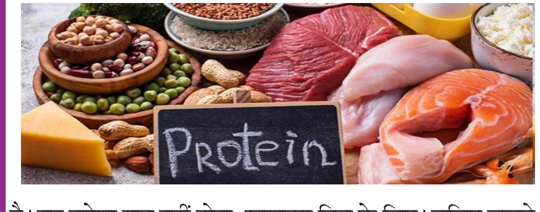


है। यह हमेशा सच नहीं होता, खासकर दिल के लिए। चलिए जानते हैं ज्यादा प्रोटीन से होने वाले नुकसान के बारे में

धमनियों में सूजन बढ़ा सकती है

जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेने से शरीर में इंफ्लेमेशन (सूजन) बढ़ सकती है, जिससे धमनियों की दीवारें सख्त होने लगती हैं। अधिक प्रोटीनखासतौर पर रेड मीट और प्रोसेस्ड प्रोटीन से धमनियां कठोर हो सकती हैं, जिससे ब्लड फ्लो प्रभावित होता है।

हार्ट और किडनी पर भी असर

जब धमनियां सख्त और संकरी होती हैं, तो दिल को खून पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, इससे हृदय रोग का जोखिम बढ़ता है। ज्यादा प्रोटीन किडनी पर अतिरिक्त दबाव डालता है। किडनी सही से काम न करे तो ब्लड में टॉक्सिन्स बढ़ते हैं, जो धमनियों की सेहत को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

प्रोटीन का सोर्स भी मायने रखता है

रेड मीट, प्रोसेस्ड मीट (सॉसेज, सलामी) या ज्यादा प्रोटीन सप्लीमेंट से आर्टरी डैमेज का खतरा ज्यादा होता है। जबकि दालें, चना, राजमा, नट्स, बीज, दही, पनीर (संतुलित मात्रा में) ये ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं

इन लोगों को सावधानी रहने की जरूरत

दिल की बीमारी वाले, हाई ब्लड प्रेशर, किडनी के मरीज और मेनोपॉज के बाद की महिलाएं को ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत। प्रोटीन जरूरी है, लेकिन जरूरत से ज्यादा प्रोटीन लेना फायदे की जगह नुकसान कर सकता हैखासतौर पर धमनियों और दिल के लिए। संतुलित डाइट, सही सोर्स और सही मात्रा ही सेहत की असली कुंजी है।

### न किसी को स्नान और दान से न रोकें, अखिलेश का तंज, भाजपा जाए तो संस्कार बच पाए

लखनऊ (संवाददाता)। प्रयागराज में चल रहे माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या के स्नान को लेकर ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के विवाद को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा जाए तो संस्कार बच पाए। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बसंत पंचमी की बधाई देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर भाजपा के खिलाफ लिखा कि न किसी को स्नान से रोकें, न किसी को दान से रोकें। सदियों से जो चलती आई, वो सनातनी-सरिता न रोकें। भाजपा जाए तो संस्कार बच पाए। इसके पहले भी उन्होंने लिखा था कि सच्चे सनातनी भाजपा के द्वारा जगद्गुरु शंकराचार्य जी और उनके अनुयायियों के साथ हुए अभद्र-अपमानजनक दुर्व्यवहार से बेहद दुखी हैं और अब तो मुखर भी हो रहे हैं। जिस तरह उनके समर्थन में आम लोगों के वीडियो इंटरनेट पर बढ़ते जा रहे हैं, उससे प्रतीत होता है कि भाजपा की धर्म-विरोधी पाप के विरुद्ध जन-आक्रोश उबाल पर है। न्यूज चौनल पर जिस तरह पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य जी से बात की गयी है वो भी अशोभनीय है, हमारे देश में धर्म-पताका लेकर चलने वालों के आगे हाथ जोड़े जाते हैं।

# बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने भारत में खेलने की इच्छा जताई थी, पर BCB-सरकार का फैसला पहले से था तय

**दुबई।** बांग्लादेश क्रिकेट में टी20 विश्व कप 2026 को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खिलाड़ियों को भारत नहीं भेजने का फैसला बिना सहमति के सुनाया गया। लिटन दास और शांतो भारत जाने के पक्ष में थे, मगर बीसीबी ने सुरक्षा कारण बताए। कई खिलाड़ियों का आरोप है कि यह निर्णय राजनीतिक था और आईसीसी के साथ संबंध बिगड़ने की आशंका भी बढ़ गई है। अब आईसीसी स्कॉटलैंड को विकल्प के रूप में देखने की तैयारी में है। बांग्लादेश क्रिकेट में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस विवाद में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश सरकार एक तरफ और बांग्लादेश के खिलाड़ी दूसरी तरफ हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि टी20 विश्व कप 2026 के लिए भारत न जाने का फैसला खिलाड़ियों की सहमति से नहीं, बल्कि एकतरफा तरीके से सुनाया गया। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, खिलाड़ियों को पूछा नहीं बल्कि सूचित किया गया कि बांग्लादेश भारत नहीं जाएगा और विश्व कप में भाग नहीं लेगा। इस फैसले ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समुदाय में भी सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि

यह आईसीसी के एक बड़े टूर्नामेंट से सीधे हटने जैसा है। फैंस ने इसे शर्मनाक बताया है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश सरकार ने अपने स्वार्थ के आगे खिलाड़ियों की एक न चलने दी। लिटन दास और शांतो ने जताई थी भारत जाने की इच्छा बैठक में बांग्लादेश टी20 कप्तान लिटन दास और टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कथित तौर पर भारत जाने के पक्ष में बात रखी। मगर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा का हवाला देकर अपने रुख से पीछे हटने से इनकार कर दिया। रिपोर्ट में दावा है कि खिलाड़ियों को पिछली घटनाओं और संभावित खतरों का हवाला दिया गया। रिपोर्ट में एक खिलाड़ी के हवाले से कहा गया, 'बैठक हमें सहमति के लिए नहीं बल्कि जानकारी देने के लिए बुलाई गई थी। उन्होंने पहले ही फैसला कर लिया था।' खिलाड़ियों की नाराजगीः फैसला पहले से तय था खिलाड़ियों के मुताबिक, बैठक से पहले ही फैसला हो चुका था और उनकी राय सिर्फ औपचारिकता के तौर पर सुनी गई। रिपोर्ट में एक खिलाड़ी ने कहा, 'उन्होंने पूछा नहीं। प्लान पहले ही बना लिया था और कहा कि हम नहीं जा रहे। असली बात यह है कि यह सरकार का सीधा आदेश था।' कुछ खिलाड़ियों का यह भी कहना है कि पहले ऐसे फैसलों से पहले उनसे बात होती थी, लेकिन इस बार प्रक्रिया पूरी तरह बदली हुई दिखी। भारत-बांग्लादेश के रिश्तों पर भी असर? रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया गया है कि यह निर्णय सरकार की नीति से जुड़ा हुआ है। दोनों देशों के संबंध बीते समय में उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं और कई विश्लेषक इसे उस संदर्भ में भी देख रहे हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने इस बीच आईसीसी से नाइंसाफी की शिकायत की है, जबकि आईसीसी कथित तौर पर स्कॉटलैंड को बांग्लादेश की जगह शामिल करने की तैयारी में है। बीसीबी की दलील और बीसीसीआई से संपर्क का सवाल खिलाड़ियों को बताया गया कि बीसीसीआई की तरफ से सीधे कोई संवाद नहीं आया है, जो इस फैसले का एक और आधार बताया गया। हालांकि, खिलाड़ियों का तर्क था कि तभी तो संपर्क होना चाहिए था क्योंकि वर्ल्ड कप बिलकुल सामने है। बीसीबी प्रमुख अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने खिलाड़ियों को भरोसा दिलाने की कोशिश की, लेकिन खिलाड़ियों के मुताबिक फैसला पहले से तैयार था।

## न्यूजीलैंड को बड़ा झटका! टी20 विश्व कप से बाहर हुए एडम मिल्ने, 6 फीट 8 इंच का यह बॉलर बना रिप्लेसमेंट

**वेलिंगटन ।** न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण ळ20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह रिजर्व खिलाड़ी काइल जेमीसन को टीम में शामिल किया गया है। कीवी टीम पहले ही कई चोटों और अनुपलब्ध खिलाड़ियों से जूझ रही है, जिसके चलते उनकी तेज गेंदबाजी यूनिट पर बड़ा असर पड़ा है। ळ20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड को एक बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज

एडम मिल्ने बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें 18 जनवरी को रअ20 लीग में सनराइजर्स ईस्टर्न केप की ओर से खेलते समय लगी थी। उनकी जगह काइल जेमीसन को शामिल किया गया है, जो पहले टीम के साथ ट्रैवलिंग रिजर्व की भूमिका में थे। टीम एक और रिजर्व खिलाड़ी बाद में घोषित करेगी। लगातार चोटों से जूझ रही है न्यूजीलैंड की टीम मिल्ने की बाहर होने वाली चोट न्यूजीलैंड के लिए नई नहीं है, क्योंकि टीम पहले ही चोटों की लंबी सूची का सामना कर रही है। विल ओरूर्के, ब्लेयर टिकनर, नाथन स्मिथ और बेन सीयर्स सभी इस समय चोट से जूझ रहे हैं। वहीं, मिचेल सैंटनर, मार्क चैपमैन और मैट हेनरी, जो भारत में सीरीज खेल रहे हैं और वर्ल्ड कप टीम में भी शामिल हैं, हाल ही में ही चोट से उभरे हैं। इसके अलावा लोकी फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण भारत सीरीज से बाहर हैं। साथ ही फर्ग्यूसन और हेनरी दोनों पैटरनिटी लीव के चलते वर्ल्ड कप के कुछ मैच मिस कर सकते हैं। कोच ने मिल्ने के लिए जताया दुख टीम के हेड कोच रॉब वॉल्टर ने मिल्ने के बाहर होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, 'हम सभी एडम के लिए दुखी हैं। उन्होंने टूर्नामेंट की तैयारी के लिए बहुत मेहनत की थी और रअ20 में अपने आठ मैचों में शानदार दिख रहे थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण समय है।' जेमीसन की शामिली पर वॉल्टर ने कहा, 'यह अच्छा है कि जेमीसन पहले से ही भारत में हमारे साथ हैं। वह हमारी पेस यूनिट के अहम सदस्य हैं और इस दौरे पर अच्छी लय में हैं।' न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीमः मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवन कॉनवे, जेकब डफी, लोकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जेमीसन, डेरिल मिचेल, जेम्स नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

## अमेजन में क्या फिर होगी बड़ी छंटनी? 30 हजार कर्मचारियों पर खतरा, जानें कब शुरू हो सकती है कार्रवाई

**नई दिल्ली।** अमेजन अगले सप्ताह दूसरी बार बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की योजना बना रहा है। यह कदम कंपनी के लगभग 30,000 कॉरपोरेट कर्मचारियों की संख्या घटाने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का कहना है कि अकसे बढ़ी

दक्षता और संगठनात्मक ढांचे में बदलाव के कारण कॉर्पोरेट वर्कफोर्स धीरे-धीरे कम होगी। दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन अगले सप्ताह कर्मचारियों की दूसरी बड़ी छंटनी करने की योजना बना रही है। सूत्रों के मुताबिक, यह कदम कंपनी के लगभग 30,000 कॉरपोरेट कर्मचारियों की संख्या घटाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी ने अक्तूबर में करीब 14,000 व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों की छंटनी की थी, जो कुल लक्ष्य का लगभग आधा हिस्सा था। अब आने वाली दूसरी छंटनी का आंकड़ा भी लगभग इसी स्तर का हो सकता है और इसकी शुरूआत मंगलवार से होने की संभावना है। हालांकि, योजना में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया गया है। किन विभागों पर पड़ेगा असर? हालांकि, प्रभावित होने वाले कर्मचारियों की पूरी संख्या और दायरा अभी स्पष्ट नहीं है। एआई से जुड़ी छंटनी, लेकिन वजह सिर्फ तकनीक नहीं अक्तूबर में हुई छंटनी को अमेजन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) के बढ़ते प्रभाव से जोड़ा था। कंपनी ने कहा था कि एआई इंटरनेट के बाद सबसे बड़ा तकनीकी बदलाव है, जो कंपनियों को तेजी से नवाचार करने में सक्षम बना रहा है। हालांकि, बाद में सीईओ एंडी जेसी ने कहा कि कर्मचारियों की कटौती मुख्य रूप से वित्तीय या एआई कारणों से नहीं, बल्कि कंपनी की संस्कृति से जुड़ी है। उनके मुताबिक, अमेजन में नौकरशाही और प्रबंधन की कई परतें बढ़ गई हैं, जिससे कर्मचारियों की संख्या जरूरत से ज्यादा हो गई है। क्या एआई से घट रही कॉरपोरेट वर्कफोर्स? जैसी ने पहले ही संकेत दिया था कि एआई के कारण कंपनी की कॉरपोरेट वर्कफोर्स समय के साथ घटेगी। आज कई कंपनियां अकका इस्तेमाल कोडिंग, ऑटोमेशन और रोजमर्रा के कामों के लिए कर रही हैं, ताकि लागत कम हो सके और मानव श्रम पर निर्भरता घटे। अमेजन ने दिसंबर में आयोजित एडब्ल्यूएस क्लाउड कॉन्फ्रेंस में अपने नए एआई मॉडल्स को भी पेश किया था। अमेजन के इतिहास की सबसे बड़ी छंटनी? अगर 30,000 कर्मचारियों की कटौती पूरी होती है, तो यह अमेजन के 30 साल के इतिहास की सबसे बड़ी छंटनी होगी। हालांकि, यह संख्या कंपनी के कुल 15.8 लाख कर्मचारियों का छोटा हिस्सा है, लेकिन कॉर्पोरेट कर्मचारियों का लगभग 10% होगी। अमेजन के अधिकांश कर्मचारी वेयरहाउस और फुलफिलमेंट सेंटरों में काम करते हैं। कर्मचारियों को दिया गया समय अक्तूबर में प्रभावित कर्मचारियों को 90 दिनों तक पेरोल पर रखा गया था, ताकि वे कंपनी के भीतर नई नौकरी ढूंढ सकें या बाहर अवसर तलाश सकें। यह अवधि सोमवार को समाप्त हो रही है।

# 'भारत अब उभरता बाजार नहीं, मजबूत अर्थव्यवस्था'

## दावोस में इस दिग्गज शख्स ने कह दी ये बड़ी बात

**दावोस।** ब्लैकस्टोन के उएड श्वार्जमैन ने कहा कि भारत अब उभरता नहीं, बल्कि मजबूत अर्थव्यवस्था बन चुका है और इसमें लंबे समय तक विकास की बड़ी संभावनाएं हैं। आइए जानते हैं कि श्वार्जमैन के बायन कितने मायने रखते हैं। दुनिया की सबसे बड़ी वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी ब्लैकस्टोन ने भारत को लेकर बड़ा बयान दिया है। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ स्टीफन ए श्वार्जमैन ने कहा कि भारत अब उभरता हुआ बाजार नहीं रहा, बल्कि वह पहले ही एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में उभर चुका है। एशिया में भारत कंपनी के लिए प्रमुख निवेश गंतव्य विश्व आर्थिक मंच के दौरान दावोस में दिए एक इंटरव्यू में श्वार्जमैन ने कहा कि हम जानते हैं कि भारत उभर चुका है, और यह बात उन

अधिकांश देशों के बारे में नहीं कही जा सकती, जिन्हें आमतौर पर उभरते बाजार कहा जाता है। उन्होंने बताया कि ब्लैकस्टोन फिलहाल एशिया-केंद्रित फंड के लिए बाजार में सक्रिय है और भारत कंपनी के लिए प्रमुख निवेश गंतव्य बना हुआ है। एआई को बताया नई औद्योगिक क्रांति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर श्वार्जमैन ने कहा कि इसका प्रभाव बिजली के आविष्कार और भाप इंजन जैसी ऐतिहासिक खोजों के बराबर होगा। उन्होंने कहा, जिस बदलाव में पहले 50 साल लगे, एआई उसे सिर्फ 10 साल में कर देगा। हालांकि उन्होंने माना कि एआई सेक्टर में कुछ कंपनियों का मूल्यांकन जरूरत से ज्यादा है, लेकिन उन्होंने इसे 1999 या 2007 जैसी बाजार उन्माद की स्थिति नहीं बताया। शेयर बाजार बनाम प्राइवेट इक्विटी भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों के बाहर निकलने पर श्वार्जमैन ने कहा कि शेयर बाजार भावनात्मक और अस्थिर होते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय बाजार पिछले पांच वर्षों में शानदार रहे हैं, लेकिन कुछ समय ऐसे भी आते हैं जब भारत कम आकर्षक लगता है और शेयर गिरते हैं। यह दीर्घकालिक तेजी के दौर में केवल अस्थायी गिरावट है। भारत की विकास क्षमता पर भरोसा श्वार्जमैन ने भारत की आर्थिक क्षमता को विशाल बताया। उन्होंने कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति आय करीब 3,000 डॉलर है, जबकि अमेरिका में यह 70,000 डॉलर से अधिक और चीन में लगभग 13,000 डॉलर है। उनके मुताबिक, भारत के पास लंबा विकास मार्ग है। यहां स्थिर सरकार, पूंजी की जरूरत, सुधार की संभावनाएं और मेहनती व प्रतिभाशाली आबादी है। यही भारत के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। ब्लैकस्टोन भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर, प्राइवेट क्रेडिट, प्राइवेट इक्विटी और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की योजना बना रहा है। कंपनी पहले ही भारत में सबसे बड़े विदेशी निवेशकों में शामिल है। इंटरव्यू के दौरान भावुक पल इंटरव्यू के दौरान श्वार्जमैन को अपनी पत्नी का फोन आया, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके बेटे और निमार्ता टेडी श्वार्जमैन की फिल्म ट्रेन ड्रीम्स को 98वें अकादमी पुरस्कार के लिए नामांकन मिला है। यह सुनकर श्वार्जमैन ने खुशी जताई और उत्साह में हाथ हवा में उठा दिया।

## कमजोर डॉलर और वैश्विक तनाव से सोना-चांदी रिकॉर्ड हाई पर

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी ने नई ऐतिहासिक ऊंचाइयों को छू लिया। कमजोर अमेरिकी डॉलर, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) की स्वतंत्रता को लेकर

चिंताओं ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश की ओर मोड़ दिया, जिससे कीमती धातुओं की कीमतों में तेज उछाल देखा गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार का हाल शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में सोने की कीमत $4,960 प्रति औंस के पार पहुंच गई और यह सप्ताह में 7% से अधिक की बढ़त की ओर बढ़ रही है। वहीं चांदी भी करीब $97 प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सोना 0.5% बढ़कर $4,959.39 प्रति औंस और चांदी 0.7% उछलकर $96.91 प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति के फेडरल रिजर्व पर बढ़ते दबाव, वेनेजुएला,ईरान, ग्रीनलैंड जैसे क्षेत्रों में तनाव और वैश्विक अनिश्चितता ने सेफ हेवन निवेश की मांग बढ़ा दी है। निवेशक बॉन्ड और मुद्राओं के बजाय सोना-चांदी जैसे ठोस एसेट्स की ओर झुक रहे हैं, जिसे बाजार में डिबेसमेंट ट्रेड कहा जाता है। एक निवेश रणनीति है जिसमें निवेशक फिएट मुद्राओं (जैसे डॉलर, यूरो) और सरकारी बॉन्ड के अवमूल्यन (मूल्य घटने) से बचाव के लिए सोना, चांदी, बिटकॉइन और अन्य वस्तुओं जैसी सीमित आपूर्ति वाली संपत्तियों में पैसा लगाते हैं घरेलू बाजार में भी रिकॉर्ड भारत में भी तेजी का असर दिखा। एमसीएक्स (टउ) पर गुरुवार को सोने की कीमत लगभग 4% उछलकर ?1,56,540 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई और रिकॉर्ड स्तर ?1,57,086 तक पहुंची। वहीं चांदी 0.87% बढ़कर ?3,26,500 प्रति किलो पर बंद हुई, जबकि इसका लाइफटाइम हाई ?3,35,521 प्रति किलो रहा। गिरावट के बाद फिर उछाल क्यों? हाल के दिनों में सोना-चांदी में एक दिन की तेज गिरावट भी देखी गई थी। इसका कारण अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ग्रीनलैंड और यूरोपीय देशों पर टैरिफ को लेकर नरम रुख अपनाना था, जिससे बाजार में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ी और सुरक्षित निवेश की मांग घट गई। लेकिन अब मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़े, कमजोर डॉलर और जारी भू-राजनीतिक तनाव ने फिर से सोना-चांदी को ऊंचाई पर पहुंचा दिया।

## लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 770 अंक टूटा, निफ्टी 25100 के नीचे

**नई दिल्ली।** भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 769.67 अंक गिरकर 81,537.70 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 241.25 अंक गिरकर 25,048.65 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 769.67 अंक या 0.94 प्रतिशत गिरकर 81,537.70 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 241.25 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 25,048.65 पर आ गया। बाजार में गिरावट क्यों आई? जानिए मुख्य

वजहें भारतीय शेयर बाजार में गिरावट के पीछे कई अहम कारण रहे। सबसे बड़ा कारण प्रमुख शेयरों में भारी बिकवाली रहा, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स दबाव में आ गए। सेंसेक्स के कई दिग्गज शेयरों में कमजोरी देखने को मिली, जिसने बाजार को नीचे खींच लिया। दोपहर के कारोबार में एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, इंडिगो और इटरनल जैसे बड़े शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गई। इन शेयरों में करीब 2% से लेकर 6% से अधिक तक का नुकसान हुआ, जिससे बाजार की धारणा कमजोर हुई। अदाणी समूह के शेयरों में 13 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली। गिरावट का असर किसी एक सेक्टर तक सीमित नहीं रहा। ऑटो, मीडिया, फाइनेंशियल, रियल्टी और ऑयल एंड गैस जैसे कई सेक्टरों में बिकवाली का दबाव देखने को मिला। खासकर रियल्टी सेक्टर में 2% से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई, जिसने बाजार की कमजोरी को और बढ़ाया। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव बनाया। जनवरी महीने में लगातार 13वें कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार में नेट सेलर रहे, जिससे बाजार की चाल कमजोर बनी रही। एशियाई बाजारों में दिखी बढ़तएशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.25% चढ़ा, जबकि टॉपिक्स में 0.27% की बढ़त दर्ज की गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.11% मजबूत हुआ और कोस्डैक 0.74% ऊपर रहा। वहीं, हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स ने मजबूत शुरूआत के संकेत दिए।

## इंडिगो संकट के बाद एयरलाइन को लगा बड़ा झटका, शेयरों में चार प्रतिशत की गिरावट

**नई दिल्ली।** इंडिगो के कमजोर तिमाही नतीजों का असर शेयर बाजार पर पड़ा। मुनाफा 78% घटने और परिचालन संकट की वजह से कंपनी के शेयरों में करीब 4% की गिरावट दर्ज की गई। आइए विस्तार से जानते हैं। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर शुक्रवार को करीब 4% गिर गए। यह गिरावट तब

आई जब इंडिगो ने दिसंबर तिमाही में अपने शुद्ध मुनाफे में 78% की भारी गिरावट दर्ज की। बीएसई पर कंपनी का शेयर 3.87% गिरकर 4,723.60 रुपये पर बंद हुआ, जबकि एनएसई पर यह 3.79% टूटकर 4,722.50 रुपये पर पहुंच गया। इसी दौरान बीएसई सेंसेक्स 46.24 अंक गिरकर 82,261.13 पर और एनएसई निफ्टी 8.20 अंक टूटकर 25,281.70 पर बंद हुआ। तीसरी तिमाही में कंपनी के मुनाफे में आई बड़ी गिरावट कंपनी ने अक्तूबर-दिसंबर तिमाही में 549.1 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 2,448.8 करोड़ रुपये था। इंडिगो ने बताया कि उड़ानों में भारी व्यवधान और नए श्रम कानूनों के लागू होने से कंपनी को बड़ा झटका लगा। उड़ान व्यवधान पैदा करने के लिए इंडिगो पर लगा भारी जुमार्ना तीसरी तिमाही में कंपनी को कुल 1,546.5 करोड़ रुपये का असर पड़ा। इसमें दिसंबर की शुरूआत में उड़ानों में व्यवधान से 577.2 करोड़ रुपये और नए श्रम कानूनों के कारण 969.3 करोड़ रुपये का नुकसान शामिल है। इसके अलावा उड़ान व्यवधान के मामले में इंडिगो पर 22.2 करोड़ रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया। हालांकि, कंपनी की कुल आय बढ़कर 24,540.6 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 22,992.8 करोड़ रुपये थी।

## सचिन और विराट ने दी साइना नेहवाल को उनके अभूतपूर्व करियर के लिए बधाई

**नई दिल्ली।** साइना नेहवाल ने अपने खेल करियर से भारतीय बैडमिंटन को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने उनके करियर को सलाम किया। भारतीय बैडमिंटन को उस वक्त तगड़ा झटका लगा जब ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने साफ किया कि वह कोर्ट पर वापसी नहीं करेंगीं। 2023 सिंगापुर ओपन के बाद उन्होंने कोई टूर्नामेंट नहीं खेला और अब एक पॉडकास्ट के दौरान अपने संन्यास को लेकर स्पष्ट बात की। इसी के बाद क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर और पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने साइना नेहवाल के लिए

दिल छू लेने वाला संदेश लिखा और भारतीय बैडमिंटन में उनके अभूतपूर्व योगदान को सराहा। विराट ने क्या कहा? भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक्स पर लिखा, 'साइना नेहवाल को एक शानदार करियर के लिए बधाई। उन्होंने भारतीय बैडमिंटन को दुनिया के मंच पर पहुंचाया। आपको एक खुशहाल, संतोषजनक और अच्छी तरह से हकदार रिटायरमेंट की शुभकामनाएं। भारत को आप पर गर्व है।' सचिन का साइना के नाम संदेश इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी साइना के नाम एक लंबा संदेश लिखा। उन्होंने साइना की मेहनत, धैर्य और निरंतरता की तारीफ करते हुए कहा, 'प्रिय साइना, आपका करियर इस बात का सबूत है कि महानता एक दिन में नहीं बनती, बल्कि धैर्य, हिम्मत और निरंतरता से हासिल होती है। आपने भारतीय बैडमिंटन को विश्व मंच पर पहुंचाया और दिखाया कि तैयारी और विश्वास मिलकर किसी खेल की दिशा बदल सकते हैं।' तेंदुलकर ने आगे लिखा, 'पदकों से परे आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि आपने देशभर के युवा खिलाड़ियों को यह यकीन दिलाया कि दुनिया में सफलता पाना संभव है। हर स्पोर्ट्स जर्नी बदलती है, और जब एक चरण खत्म होता है तो दूसरा शुरू होता है। आपका अनुभव और खेल के प्रति प्रेम आगे भी कई लोगों का मार्गदर्शन करेगा। भारतीय खेलों के लिए आपने जो कुछ दिया उसके लिए धन्यवाद। आने वाली पीढ़ियां आपसे प्रेरणा लेती रहेंगी।'

## यूपी में कौशल क्रांति को मिलेगी नई रफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। इसी क्रम में जनपद गौतम बुद्ध नगर स्थित नोएडा अपैरल एक्सपोर्ट क्लस्टर एनएईसी और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद एससीवीटी के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह एमओयू प्रदेश में कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमशीलता को नई दिशा देने वाला साबित होगा। एनएईसी द्वारा पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 18 जनपदों के 128 विकास खंडों और 10,323 ग्रामों से जुड़े एक लाख अभ्यर्थियों को आगामी पांच वर्षों में 28 सेक्टरों में अल्पकालीन कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। 70,000 अभ्यर्थियों को औद्योगिक इकाइयों में प्रशिक्षण के बाद रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशिक्षणार्थियों में 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बल मिलेगा।देश के प्रमुख अपैरल निर्यात क्लस्टर के रूप में एनएईसी की सबसे बड़ी विशेषता गारमेंट उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराना होगा।

# रानी मुखर्जी की फैन हुईं अनुष्का शर्मा, मदार्नी 3 के लिए की सराहना

### कहा-देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं

एक्ट्रेस रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मदार्नी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनकी फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है, जिसे देखने के बाद फिल्म को लेकर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है और रानी मुखर्जी की दमदार वापसी की खूब तारीफ हो रही है। इसी बीच एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने भी मदार्नी 3 का ट्रेलर देखा और एक पोस्ट शेयर कर फिल्म के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर की है। अनुष्का शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर मदार्नी 3 का ट्रेलर शेयर करते हुए रानी मुखर्जी की जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा-,बधाई हो रानी, मैंने हमेशा आपके काम और आप जो कुछ भी करती हैं उसमें आपकी ग्रेस की तारीफ की है। आपके लिए आगे जो कुछ भी है, उसे देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। मैं आपकी इसलिए ही फैन भी हूं। अनुष्का का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है और यूजर्स उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं, दर्शक भी इस फिल्म की रिलीज का ब्रेसरी से इंतजार कर रहे हैं।मदार्नी 3 का ट्रेलर में रानी मुखर्जी एक बार फिर निडर और बेखौफ आईपीएस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आ रही हैं। उनका सशक्त अवतार और गंभीर विषय फिल्म को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। बता दें, मदार्नी फ्रेंचाइजी की शुरूआत साल 2014 में हुई थी, जिसमें मानव तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे को उठाया गया था। वहीं मदार्नी 2 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर फोकस किया गया। अब मदार्नी 3 भी इसी मजबूत सामाजिक संदेश को आगे बढ़ाते हुए दर्शकों के सामने आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

# ब्रेस्ट कैंसर के कारण रिमूव करवानी पड़ी एक ब्रेस्ट

### बीमारी को मात देने के बाद सिंगर ने शेयर की दिल कचोट देने वाली पोस्ट

मनोरंजन जगत से कई ऐसे सितारे हैं, जो कैंसर की घातक बीमारी से जूझ चुके हैं और अपनी जर्नी से दूसरो के लिए प्रेरण स्त्रोत बने। वहीं, ऐसी ही एक सिंगर हैं, जिन्होंने पूरी हिम्मत के साथ कैंसर की लंबी और दर्दनाक लड़ाई लड़ी और फिर ठीक होकर दूसरे के लिए इंस्पिरेशन बनीं। यह सिंगर कोई और नहीं,

मोंतेरिया की मशहूर वल्लेनाटो सिंगर एवलिन गोमेज हैं, जिन्होंने लंबे समय बाद सोशल मीडिया पर वापसी की और कैंसर से ठीक होने के बाद एक बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया है, जो लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है। दरअसल, एवलिन गोमेज को ब्रेस्ट कैंसर हो गया था, जिसके कारण उन्हें अपनी एक ब्रेस्ट रिमूव करवानी पड़ी। अब इस बीमारी से ठीक होने के बाद सिंगर ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की, जिनमें वह एक ब्रेस्ट के साथ नजर आ रही हैं।इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा-मेरी छाती पर मेरे शरीर का सबसे खूबसूरत निशान है। हर बार जब मैं आईने में देखती हूँ तो मुझे याद आता है कि भगवान आग में मेरे साथ थे और मैं भस्म नहीं हुई। सभी फ्रैक्चर सजा नहीं होते, कुछ पछतावे के लिए जरूरी आवाज होते हैं। आज मैं बस भगवान को धन्यवाद कह सकती हूँ कि उन्होंने मेरे प्लान, मेरी जिंदगी का रास्ता और दिशा बदल दी, मुझमें अपना मकसद और अपनी इच्छा पूरी करो।

# करण औजला ने भी माना कियारा आडवाणी है घमंडी! खूब वायरल हो रहा सिंगर का ये पोस्ट

करण औजला पिछले कुछ समय से कई वजहों से सुर्खियों में हैं। हाल ही में वह एक और वजह से खबरों में आए हैं, जो एक रील को रीपोस्ट करने की वजह से है। वीडियो में, कार्तिकेय तिवारी नाम के एक इंस्टाग्राम यूजर ने आरोप लगाया कि बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने फ्लाइट के दौरान उनकी मां के साथ बदतमीजी की। उन्होंने उनके बर्ताव की भी आलोचना की। रील में, यूजर ने बताया कि वह एक बार अपनी मां के साथ जयपुर से मुंबई बिजनेस क्लास में सफर कर रहे थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी भी उसी फ्लाइट में थे, क्योंकि वे अपनी फिल्म सत्य प्रेम की कथा को प्रमोट करने के लिए जयपुर गए थे। यूजर ने बताया कि उसकी मां गलती से कियारा आडवाणी की सीट पर बैठ गईं। हालांकि, जैसे ही एयर होस्टेस ने गलती बताई उन्होंने तुरंत अपनी सीट बदल ली। उसने आरोप लगाया कि कियारा ने उसकी मां को

देखकर नाराजगी वाला चेहरा बनाया। उसने फ्लाइट में कियारा के बुरे बर्ताव के लिए उनकी आलोचना की। उसने यह भी बताया कि कियारा और कार्तिक ने एयर होस्टेस के साथ फोटो खिंचवाने से मना कर दिया, यह कहते हुए कि उन्हें देर हो रही है। पंजाबी सिंगर के रीपोस्ट किए गए वीडियो का स्क्रीनशॉट उनके इंस्टाग्राम फीड पर दिख रहा था। जल्द ही, यह स्नैपशॉट रेडिट पर पहुंच गया। अब रेडिट पोस्ट वायरल हो गया है। औजला के कई फैंस सपोर्ट में आए। एक यूजर ने कहा-हो सकता है यह गलती से हुआ हो क्योंकि इंस्टाग्राम का यह फीचर सच में बहुत बेकार है। मैंने इतने शर्मनाक वीडियो रीपोस्ट कर दिए थे कि मुझे कुछ दिनों के लिए अपना इंस्टा अकाउंट डिलीट करना पड़ा। दूसरे ने लिखा, यह गलती लग रही है, लेकिन अगर यह जानबूझकर किया गया है तो औजला को दूसरों के बजाय अपने बर्ताव के बारे में सोचना चाहिए, हाहा। एक कमेंट में लिखा था-एक वीडियो देखा... ऐसा लगता है कि उस लड़के ने सिचुएशन को पूरी तरह गलत समझा... कौन जानता है कि सामने वाला किस मूड में है... सच कहूं तो यह बकवास वीडियो है... साथ ही उसने कार्तिक और उसे रिकॉर्ड किया, मुझे लगता है कि यह कृति ने जो किया उससे ज्यादा गलत है... लेकिन यह सोशल मीडिया है तो... एक नेगेटिव कहानी को ज्यादा रीच मिलेगी।

# मृणाल ठाकुर के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी ने शेयर की तस्वीरें, फैंस ने धनुष को लेकर किए कमेंट

सिद्धांत चतुर्वेदी ने इंस्टाग्राम पर मृणाल ठाकुर के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इस पर फैंस ने धनुष को लेकर कमेंट किए हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर अपकमिंग फिल्म 'दो दीवाने सहर' में को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में इस फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। टीजर में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की केमिस्ट्री को दर्शकों ने पसंद किया है। ऐसे में सिद्धांत चतुर्वेदी ने इंस्टाग्राम पर मृणाल ठाकुर के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। फैंस ने इस पर रिएक्शन दिए हैं। सिद्धांत की पोस्ट में क्या है? सिद्धांत चतुर्वेदी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं उसमें देखा जा सकता है कि मृणाल ठाकुर ने सिद्धांत के चेहरे से अपना चेहरा मिलाया है। एक दूसरी तस्वीर में मृणाल, सिद्धांत का कान खींचते हुए नजर आ रही हैं। एक और तस्वीर में सिद्धांत ने मृणाल को अपनी बाहों में कस कर पकड़ा है। तस्वीरें शेयर करते हुए सिद्धांत ने लिखा है 'आसमान इतना चमकदार कभी नहीं लगा।' यूजर्स ने धनुष को याद किया सिद्धांत चतुर्वेदी की पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है और उस पर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है 'धनुष सर का क्या?' एक और यूजर ने लिखा है 'धनुष ने 50 मिस्ड कॉल्स किए।' एक और यूजर ने चुटकी लेते हुए लिखा है 'कोई धनुष सर को बताओ।' एक यूजर ने कहा है 'धनुष आपकी लोकेशन मांग रहे हैं।' धनुष और मृणाल की शादी की अफवाहें आपको बता दें कि कुछ दिनों से धनुष और मृणाल ठाकुर की शादी की अफवाहें उड़ रही हैं। धनुष तलाकशुदा हैं। मृणाल की अभी तक शादी नहीं हुई है। मृणाल और धनुष की शादी की खबरें उस वक्त से उड़ीं जब फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का प्रीमियर हुआ था। यहां धनुष पहुंचे थे। न तो धनुष ने, न ही मृणाल ने अपने रिश्ते को लेकर कोई बात कही है। फिल्म की स्टारकास्ट फिल्म 'दो दीवाने सहर में' का निर्देशन रवि उदयवार ने किया है। इससे संजय लीला भंसाली जुड़े हैं। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं। इनके अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे।

# आपको वर्दी में देखकर पुरानी यादें ताजा..बॉर्डर 2 की रिलीज पर बेटे अहान के नाम सुनील शेट्टी का पोस्ट

एक्टर सुनील शेट्टी के बेटे व एक्टर अहान शेट्टी की फिल्म ने श्बॉर्डर 2श आज पर्दे पर रिलीज हो चुकी हैं। जहां फिल्म बॉर्डर में सुनील शेट्टी नजर आए थे, वहीं इसके सीक्वल में उनके बेटे अहान शेट्टी उनकी जगह ली है। आज फिल्म के रिलीज होते ही सुनील शेट्टी ने एक भावुक पोस्ट शेयर किया है और साथ ही बेटे अहान को लेकर भी खास बात कही है। सुनील शेट्टी

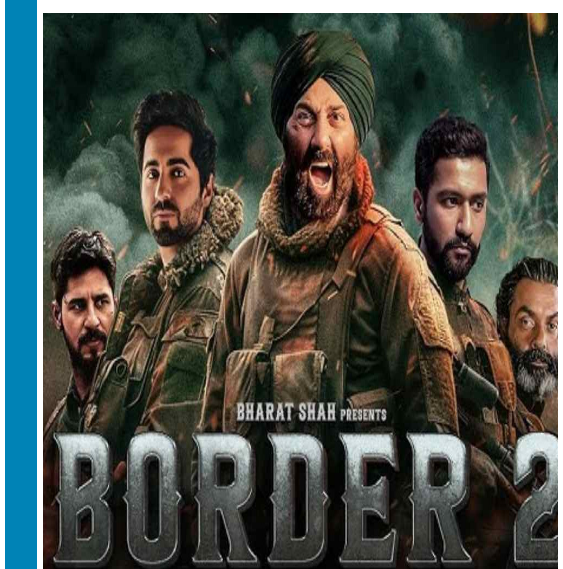


ने बॉर्डर 2 की रिलीज पर अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉर्डर और बॉर्डर 2 के कुछ सीन्स की झलक दिखाई। वीडियो के साथ सुनील ने कैप्शन में लिखा, फिल्म बॉर्डर 2 आज रिलीज हो रही है। मेरे प्यारे दोस्तों, मेरे लिए बॉर्डर सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, जिसमें मैंने काम किया। ये मेरी जिम्मेदारी बन गई थी, जो फिल्म खत्म होने के बाद भी मैंने साल तक निभाई। बेटे अहान के लिए एक्टर ने लिखा, आज कई साल बाद आपको वर्दी में देखकर पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं। लेकिन ये सिर्फ याद नहीं, बल्कि एक याद दिलाने वाली बात है- अनुशासन की, बलिदान की चुप रहकर सहन करने की और साहस की। यह फिल्म गर्व दिखाने के लिए नहीं है। यह युद्ध के बारे में भी नहीं है। यह हमें याद दिलाती है कि शांति कितनी जरूरी है। एक्टर ने कहा-सीमा वो जगह नहीं जहां देश खत्म हो जाता है- वो जगह है जहां साहस शुरू होता है। कुछ कहानियां स्क्रीन पर खत्म नहीं होतीं, वो पूरे देश के दिल में बस जाती हैं। हम कभी न भूलें कि वो वर्दी असल में किस चीज का प्रतीक है। जय हिंद। जय भारत। पिता सुनील शेट्टी के इस पोस्ट पर अहान ने लिखा, लव यू पापा। बता दें, बॉर्डर 2 आज 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस अहान शेट्टी के अलावा, सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ जैसे ने कलाकार नजर आए हैं।

# सुशांत सिंह राजपूत की याद में बड़ी पहल, पिता ने किया फिल्ध्म इंस्ध्टीट्यूट बनवाने का ऐलान

बॉलीवुड फिल्म छिछोरे से खास पहचान बनाने वाले एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को दुनिया से गुजरे छह साल हो गए हैं, लेकिन उनकी यादें आज भी फैंस के दिलों में जिंदा हैं। 21 जनवरी को सुशांत की बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर उनके परिवार की ओर से एक अहम और भावनात्मक घोषणा की गई है। एक्टर की याद में जल्द ही सुशांत सिंह राजपूत मेमोरियल क्लब एंड फिल्म

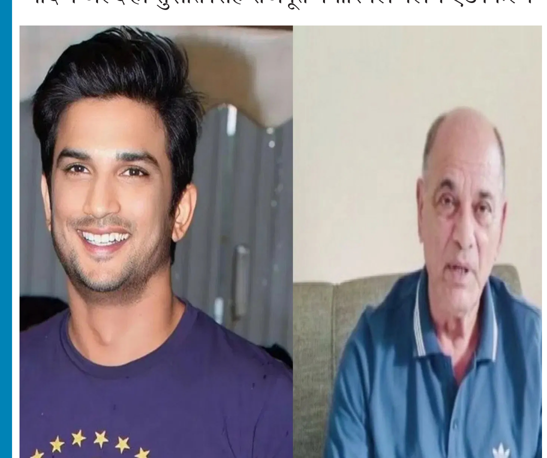

डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी। इस संस्थान की पहल खुद सुशांत सिंह राजपूत के पिता कृष्णा कुमार सिंह ने की है। उनका कहना है कि यह इंस्टीट्यूट सुशांत की क्रिएटिव सोच, सीखने की जिज्ञासा और उनके अधूरे सपनों से प्रेरित है। इस पहल के जरिए वे उन युवाओं को मंच देना चाहते हैं, जो कला, संस्कृति और सिनेमा के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। इस इंस्टीट्यूट का उद्देश्य एक्टिंग, डायरेक्शन, राइटिंग और फिल्म से जुड़े तकनीकी क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं को प्रोफेशनल ट्रेनिंग देना है। यहां वर्कशॉप्स, ट्रेनिंग सेशंस और क्रिएटिव प्रोग्राम्स आयोजित किए जाएंगे, ताकि नए टैलेंट को सही दिशा और मार्गदर्शन मिल सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस संस्थान का कार्यालय बिहार की राजधानी पटना के कंकड़बाग हाउसिंग कॉलोनी में स्थित होगा। यहीं से सभी शैक्षणिक और क्रिएटिव गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इंस्टीट्यूट के फाउंडिंग मेंबर्स में कृष्णा कुमार सिंह के अलावा प्रमोद कुमार सिंह, प्रो. बीएन सिंह, अरुण सिंह, डॉ. सुनील चंद चुनी, शैलेंद्र कुमार सिंह, चंद्र शेखर सिंह और राजेश्वरी सिंह शामिल हैं। गौरतलब है कि सुशांत सिंह राजपूत का निधन 14 जून 2020 को मुंबई स्थित उनके आवास पर हुआ था। उनकी अचानक हुई मौत ने पूरे देश को गहरे सदमे में डाल दिया था।

## घूस की बात सुन गुस्साए मंत्री ,दोषियों पर गिरी गाज

**लखनऊ (संवाददाता)।** नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अपने आवास पर जनसुनवाई के दौरान विद्युत विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले पर अत्यंत सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट संदेश दिया। इसका नतीजा रहा कि शुक्रवार को एक लाइनमेन की सेवा समाप्त कर दी गई, वहीं जेई को निलंबित किया गया। इसी के साथ दो अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रदेश में घूसखोरी, लापरवाही और जनता को परेशान करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। जनसुनवाई के दौरान अमरोहा के नौगांव सादात निवासी शिकायतकर्ता मोहम्मद यूसा ने विद्युत संयोजन देने के नाम पर रिश्वत मांगने तथा जानबूझकर कार्य में टालमटोल किए जाने की शिकायत मंत्री के समक्ष रखी, जिसे मंत्री श्री शर्मा ने अत्यंत गंभीरता से लिया।मंत्री ने मामले को संज्ञान में लेते हुए तत्काल पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता से फोन पर वार्ता की और दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए। मंत्री के सख्त तेवरों और जीरो टॉलरेंस नीति का असर यह रहा कि विभाग बिना विलंब किए तुरंत हरकत में आया और देर रात तक कार्रवाई करते हुए दोषियों पर गाज गिराई गई। जेई राजीव सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, वहीं लाइनमैन अब्बास की सेवा समाप्त कर दी गई। एसडीओ रितेश प्रसाद एवं अधिशासी अभियंता राहुल निगम को नियम-10 के अंतर्गत स्पष्टीकरण जारी करते हुए संतोषजनक जवाब न मिलने की स्थिति में विभागीय कार्यवाही किए जाने की संस्तुति की गई है।

# शांति बोर्ड में शामिल होकर अपने ही घर में घिरे शहबाज

### विपक्ष का तंज- क्या अब नेतन्याहू संग बैठेंगे

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** अमेरिका के नेतृत्व में बने शांति बोर्ड में शामिल होकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को अपने ही देश में आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि यह फैसला संसद की सलाह के बिना लिया गया है। इन दलों ने कहा कि इस बोर्ड के सदस्य वे देश हैं, जो गाजा में हमास को निरस्त्र करना चाहते हैं। अमेरिका के साथ गलबहियां करने के चक्कर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने ही घर में सवालों के बीच घिर गए हैं। उन्हें विपक्ष की कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड की अध्यक्षता में बने शांति बोर्ड में शामिल होने के लिए शरीफ ने शरीफ ने गुरुवार को हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान समेत 19 देशों के नेताओं ने दावोस में इस समूह के चार्टर के रूप में अपना-अपना नाम दर्ज कराया। इस दौरान जब शहबाज का हस्ताक्षर करने का वक्त आया तो वह ट्रंप के बगल में बैठक मुस्कुराते नजर आए। हालांकि, इस फैसले ने पाकिस्तान के अंदर बवाल मचा दिया। आइए पहले जानते हैं कि यह शांति बोर्ड क्यों बनाया गया है और इसको बनाने का विचार कहां से आया है। शांति बोर्ड बनाने का विचार सबसे पहले गाजा युद्ध के दौरान आया, जब अमेरिकी ने अपनी शांति योजना को पेश किया। यह बोर्ड गाजा में शांति की निगरानी करने के लिए बनाया गया। लेकिन यह बोर्ड अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के समाधान के लिए एक मध्यस्थ की भूमिका की दिशा में आगे बढ़ता दिख रहा है। बताया जा रहा है कि ट्रंप इसके माध्यम से अपना खुद का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) बना रहे हैं। इस फैसले पर इमरान खान की पार्टी ने क्या कहा? विपक्षी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष गोहर अली खान ने इस फैसले पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शरीफ ने किसी परामर्श के शांति बोर्ड में शामिल होने का फैसला किया। उन्होंने कहा, कल विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह शांति बोर्ड में शामिल हो गया है। सरकार ने संसद को नजरअंदाज किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शांति बोर्ड में शामिल होने से पहले उसकी शर्तों के बारे में संसद को बताया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, क्या आप हमास को निरस्त्र करने में भूमिका निभाएंगे? अगर यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का कोई निकाय होता, तो सरकार खुद से कदम उठा सकती थी। लेकिन शांति बोर्ड कोई यूएन का निकाय नहीं है। पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन की खबर के मुताबिक, पीटीआई के वरिष्ठ नेता असद कैसर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार ने इतने संवेदनशील मुद्दे पर सर्वसम्मति से फैसला लेने की जहमत नहीं उठाई। उन्हें इस पर संसद में चर्चा करना चाहिए थी, ताकि विश्व समुदाय में यह धारणा बने कि पाकिस्तान में लोकतंत्र है।

## जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने भंग की संसद, 8 फरवरी को होंगे मध्यावधि चुनाव

**टोक्यो (एजेंसी)।** इस बीच चीन के साथ जापान का तनाव भी बढ़ा है। तकाइची की ताइवान समर्थक टिप्पणियों के बाद बीजिंग ने कड़ा रुख अपनाया है। इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी जापान पर रक्षा खर्च बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने शुक्रवार को संसद के निचले सदन को भंग कर दिया, जिससे देश में 8 फरवरी को मध्यावधि चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। तकाइची ने यह फैसला केवल तीन महीने के कार्यकाल के बाद लिया है। अक्टूबर में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री चुनी गईं तकाइची को अब तक लगभग 70 प्रतिशत की ऊंची लोकप्रियता मिली है। माना जा रहा है कि वह इसी लोकप्रियता का लाभ उठाकर सत्तारूढ़ दल की स्थिति मजबूत करना चाहती हैं, जिसे हाल के वर्षों में भारी नुकसान झेलना पड़ा है। जापान में शुरू होगा चुनाव

प्रचार हालांकि, संसद भंग होने से उस बजट पर मतदान टल गया है, जिसका उद्देश्य कमजोर अर्थव्यवस्था को सहारा देना और बढ़ती महंगाई से निपटना था। 465 सदस्यीय निचले सदन के भंग होने के साथ ही 12 दिनों का चुनाव प्रचार अभियान शुरू होगा, जिसकी औपचारिक शुरूआत मंगलवार से होगी। प्रधानमंत्री तकाइची ने कहा कि वह चाहती हैं कि जनता तय करे कि उन्हें प्रधानमंत्री बने रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह इस चुनाव को अपने राजनीतिक भविष्य से जोड़ रही हैं। सख्त रुख वाली रूढ़िवादी नेता तकाइची अपने पूर्ववर्ती शिगेरु इशिबा से अलग नीतियों को सामने रखना चाहती हैं। उनके एजेंडे में ज्यादा सरकारी खर्च, सैन्य ताकत में इजाफा और कड़ी आव्रजन नीति शामिल है, ताकि जापान को 'मजबूत और समृद्ध' बनाया जा सके। युवाओं में लोकप्रिय तकाइची की छवि हालांकि तकाइची की छवि युवा मतदाताओं में लोकप्रिय है, लेकिन सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) अभी भी राजनीतिक फंडिंग घोटाले के असर से उबर रही है। इसके चलते कई पारंपरिक मतदाता उभरती दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टियों की ओर रुख कर चुके हैं।

# दावोस से वॉशिंगटन लौटे राष्ट्रपति ट्रंप

### बोले- शांति बोर्ड के साथ काम करे संयुक्त राष्ट्र

**वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)।** दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक से लौटते ही ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि शांति बोर्ड के साथ काम करना संयुक्त राष्ट्र के लिए अच्छी बात होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में हिस्सा लेने के बाद शुक्रवार (स्थानीय समय) को वॉशिंगटन डीसी लौटे। इस दौरान उन्होंने कहा कि शांति बोर्ड ऐसी पहल है, जैसी दुनिया ने पहले कभी नहीं देखी- बेहद खास। ट्रंप ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को गाजा और अन्य संघर्षों पर बने नए शांति बोर्ड के साथ काम करने की जरूरत है। उन्होंने तर्क दिया कि यह वैश्विक संस्था अपनी क्षमता के अनुरूप काम नहीं कर पाई है और यह नई पहल संयुक्त राष्ट्र के लिए अच्छी चीज हो सकती है। शांति बोर्ड और शांति बोर्ड पर ट्रंप ने क्या कहा? ट्रंप ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं यह चाहता हूं या नहीं, लेकिन यह पहल गाजा में बहुत अच्छी काम करेगी और शायद दूसरी चीजों पर भी। आप जानते हैं..यह गाजा से आगे भी हो सकता है। हम संयुक्त राष्ट्र के साथ काम करेंगे। मैंने हमेशा कहा है कि संयुक्त राष्ट्र में बहुत क्षमता है। लेकिन वह उस पर खरा नहीं उतरा। मैं आठ युद्धों (को रोकने) की बात करता हूं और मैंने कभी उससे (यूएन) बात नहीं की। आप सोचते

होंगे कि मैंने उससे (यूएन) बहुत बात की होगी। लेकिन संयुक्त राष्ट्र में बहुत क्षमता है। मुझे लगता है कि शांति बोर्ड के साथ काम करना संयुक्त राष्ट्र के लिए अच्छी बात होगी। ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में औपचारिक रूप से शांति बोर्ड की शुरूआत की। उन्होंने इसके चार्टर पर हस्ताक्षर किए और इसे वैश्विक संघर्षों के समाधान की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। पहले यूएन पर निशाना साधते हुए क्या कहा था? इससे पहले ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर निशाना साधा था और कहा था कि उसकी अक्षमता के कारण ही उन्हें गाजा के लिए शांति बोर्ड बनाने का फैसला करना पड़ा, ताकि पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म करने के लिए 20-सूत्रीय शांति योजना को लागू किया जा सके। मीडिया को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, हमने अभी शांति बोर्ड बनाया है, जो मुझे लगता है कि बहुत शानदार होने वाला है। काश संयुक्त राष्ट्र और ज्यादा कर पाता। काश हमें शांति बोर्ड की जरूरत ही न पड़ती। मैंने जितने भी युद्ध सुलझाए, संयुक्त राष्ट्र ने एक भी युद्ध में मेरी मदद नहीं की। शांति बोर्ड बनाने का विचार कहां से आया? यह पहल अमेरिकी राष्ट्रपति की 20-सूत्रीय गाजा युद्धविराम योजना से निकली थी। इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का समर्थन मिला था। बाद में इसका दायरा बढ़ा दिया गया। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के मुताबिक, करीब 35 देशों ने इसमें शामिल होने पर सहमति दी है। जबकि साठ देशों को निमंत्रण भेजा गया है। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि नया संगठन भविष्य में संयुक्त राष्ट्री की कुछ भूमिकाएं संभाल सकता है।

## अप्रवासन अधिकारियों ने पांच साल के बच्चे को हिरासत में लिया, स्कूल का दावा- चारे की तरह किया इस्तेमाल

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका में अप्रवासन अधिकारियों ने मिनेसोटा से एक पांच साल के बच्चे को हिरासत में लिया है। बच्चे का परिवार अमेरिका में शरणार्थी है। अप्रवासन अधिकारियों ने आरोपों को खारिज किया है। जानिए अप्रवासन अधिकारियों का इस मामले पर क्या कहना है? अमेरिका में संघीय अप्रवासन अधिकारी अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई में इस कदर पागल हो गए हैं कि उन्होंने मिनेसोटा में एक पांच साल के बच्चे को हिरासत में ले लिया। बच्चा जिस स्कूल में पढ़ता है, उसके अधिकारियों ने भी घटना पर कड़ी नाराजगी

जाहिर की और कहा कि बच्चे को चारे की तरह इस्तेमाल किया गया। बच्चे और उसके पिता को टेक्सास में एक डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। पहली बार नहीं है कि अप्रवासन अधिकारियों ने किसी बच्चे को पकड़ा हो, इससे पहले हाल के हफ्तों में मिनियापोलिस में भी तीन बच्चों को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। 'बच्चे को चारे की तरह इस्तेमाल किया गया' स्कूल की सुपरीटेंडेंट जेना स्टेनविक ने बताया कि संघीय अप्रवासन एजेंट्स ने पांच साल के लियम कोनेजो रामोस को कार से हिरासत में लिया, जब वह मंगलवार दोपहर अपने पिता के साथ अपने घर जा रहा था। इसके बाद अधिकारी बच्चे को उसके घर लेकर गए और उन्होंने उससे घर का दरवाजा खटखटाने को कहा। स्टेनविक ने आरोप लगाया कि एजेंट्स ने बच्चे को चारे की तरह इस्तेमाल किया, ताकि घर में मौजूद अन्य लोगों को हिरासत में लिया जा सके।

## गगन थापा होंगे नेपाली कांग्रेस से पीएम पद के उम्मीदवार

**काठमांडू (एजेंसी)।** नेपाल में आम चुनाव को लेकर नेपाली कांग्रेस की तरफ से बड़ा एलान किया गया है। दरअसल पार्टी ने नवनिर्वाचित सभापति गगन थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने का फैसला किया है। इसका आज औपचारिक एलान किया जाएगा। नेपाली कांग्रेस नवनिर्वाचित सभापति गगन थापा (49) को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने जा रही है। यह घोषणा शुक्रवार को पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक में की जाएगी। यह पार्टी के केंद्रीय कार्यालय काठमांडू के सानेपा में होगी। सानेपा में बैठक करेंगे केंद्रीय कार्य समिति के पदाधिकारी विशेष

महाधिवेशन से चुनी गई केंद्रीय कार्य समिति के पदाधिकारी और सदस्य शुक्रवार को सानेपा में बैठक करेंगे। कांग्रेस पार्टी के उच्च सूत्र के अनुसार, इसी में गगन थापा को औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। पार्टी महामंत्री व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री प्रदीप पौडेल ने यह जानकारी दी। गगन थापा ने इस बार अपने पारंपरिक निर्वाचन क्षेत्र काठमांडो-4 को छोड़कर मधेश प्रदेश के सलार्ही-4 से उम्मीदवार बनेंगे। गगन थापा के नेतृत्व में बनी नई समिति 14 जनवरी को हुए विशेष महाधिवेशन से गगन थापा के नेतृत्व में नई समिति निर्वाचित हुई थी, लेकिन कार्य समिति की पहली, दूसरी व प्रतिनिधि सभा चुनाव में उम्मीदवार च्यन के लिए गठित संसदीय बोर्ड की बैठक होटल में ही हुई थी। चुनाव मैदान में डटे चार पूर्व प्रधानमंत्री नेपाल में 4 पूर्व प्रधानमंत्रियों ने नामांकन दाखिल किया है। इनमें नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली झापा-5 से चुनाव लड़ रहे हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओइस्ट सेंटर) के पुष्प कमल दहल प्रचंड रुकुम पूर्व से मैदान में हैं।

# अबूधाबी में रूस-यूक्रेन व अमेरिका के बीच त्रिपक्षीय बैठक; ट्रंप से मुलाकात के बाद जेलेंस्की खुश

**दावोस (एजेंसी)।** अबूधाबी में पिछले चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने को लेकर अहम बैठक होने वाली है। इस बैठक में रूस-यूक्रेन के साथ अमेरिका मंथन करेंगे। वहीं इससे पहले दावोस में ट्रंप और जेलेंस्की के बीच मुलाकात हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिशों के तहत रूस, यूक्रेन और अमेरिका के वातार्कार शुक्रवार से अबू धाबी में त्रिपक्षीय बैठक करेंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह बैठक शांति प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे लंबे समय से जारी संघर्ष को समाप्त

करने की दिशा में प्रगति की उम्मीद है। दावोस में ट्रंप और जेलेंस्की की मुलाकात जेलेंस्की ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दावोस में हुई बातचीत के बाद यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी से जुड़े प्रावधानों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि युद्ध का सबसे संवेदनशील मुद्दा क्षेत्रीय विवाद अब भी अनसुलझा बना हुआ है। अमेरिकी पक्ष की ओर से विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जारेड कुश्नर मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के बाद सीधे अबू धाबी पहुंचेंगे। इन वाताओं में सैन्य स्तर पर संवाद और युद्ध के बाद आर्थिक पुनर्निर्माण से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। जेलेंस्की से मुलाकात अच्छी रही, जंग खत्म होनी चाहिए बहुत लोग मारे जा चुके- ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ उनकी अच्छी बैठक हुई है और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए उनका साफ संदेश है कि युद्ध खत्म होना चाहिए। इस जंग में अब तक बहुत लोग मारे जा चुके हैं। ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल जल्द ही पुतिन से मुलाकात करेगा। पुतिन यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए देंगे जब्त संपत्तियां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ बृहस्पतिवार को वार्ता से पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि वह जब्त की गईं संपत्तियों का एक हिस्सा रूस-यूक्रेन शांति समझौते के बाद युद्धग्रस्त यूक्रेन के पुनर्निर्माण के लिए देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अमेरिका में जब्त की गई हमारी परिसंपत्तियों की बची धनराशि का इस्तेमाल संधि होने के बाद यूक्रेन के पुनर्निर्माण में किया जा सकता है।

## फिर झूठे साबित हुए ट्रंप, फर्जी निकला दावा! ईरान के शीर्ष अभियोजक बोले- किसी की फांसी नहीं रोकी

**अबूधाबी (एजेंसी)।** ईरान में800 लोगों की फांसी रुकवाने के ट्रंप के दावे को ईरान के शीर्ष अभियोजक ने झूठा बताया है। न्यायपालिका ने कहा कि ऐसा कोई फैसला हुआ ही नहीं। देशव्यापी प्रदर्शनों में हजारों मौतों और गिरफ्तारियों के बीच अमेरिका और ईरान के रिश्ते और तनावपूर्ण हो गए हैं। आइए इस पूरे मामले को विस्तार से जानते हैं। एक बार फिर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा झूठा साबित हुआ है। ईरान में देशव्यापी प्रदर्शनों के बाद 800 लोगों की फांसी रुकवाने के ट्रंप के दावे को ईरान के शीर्ष अभियोजक ने सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान की न्यायपालिका ने इसे पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है। ईरान की न्यायिक समाचार एजेंसी मीजान के मुताबिक शीर्ष अभियोजक मोहम्मद मोवाहेदी ने साफ कहा कि न तो 800 लोगों की फांसी का कोई फैसला हुआ और न ही किसी बाहरी हस्तक्षेप से ऐसा कुछ रोका गया।

उन्होंने कहा कि ट्रंप का बयान पूरी तरह झूठा है और इसका हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। अभियोजक मोवाहेदी ने क्या कहा? न्यायपालिका के पास 800 लोगों से जुड़ा कोई आधिकारिक आंकड़ा मौजूद नहीं है। ट्रंप द्वारा बताए गए आंकड़े का कोई रिकॉर्ड न्यायिक प्रणाली में नहीं है। 800 लोगों की कोई सूची तैयार नहीं की गई है। सामूहिक फांसी से जुड़ा कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। फांसी रोकने जैसा कोई फैसला न्यायपालिका ने नहीं लिया है। ट्रंप का दावा पूरी तरह झूठा और भ्रामक है। कुछ गिरफ्तार लोगों पर मौत की सजा से जुड़े आरोप जरूर लगाए गए हैं। इन मामलों पर फैसला कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होगा। प्रदर्शनों में भारी जानमाल का नुकसान ईरान में चल रहे प्रदर्शनों के दौरान हालात बेहद हिंसक रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार अब तक 5,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बड़ी संख्या प्रदर्शनकारियों की है।

# मंगेतर से मिलने गए मैतेई युवक की हत्या, जान की भीख मांगता रहा युवक

### वीडियो बनाते हुए मारी गोली

**इम्फाल (एजेंसी)।** मणिपुर में एक बार फिर दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। चुराचांदपुर में अपनी कुकी मंगेतर से मिलने गए एक 31 साल के मैतेई युवक को अगवा कर कैमरे पर गोली मार दी गई। इस घटना के बाद पूरे राज्य में फिर से तनाव बढ़ गया। मणिपुर में बुधवार शाम एक 31 वर्षीय मैतेई युवक की कैमरे के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, युवक चुराचांदपुर में अपनी कुकी मंगेतर से मिलने गया था, जहां से उसे अगवा कर लिया गया। इस घटना के बाद गुरुवार को पूरे मणिपुर में आक्रोश फैल गया और तनाव फिर से बढ़ गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की पहचान 31 साल के एम ऋषिकांत के तौर पर हुई है। बुधवार शाम करीब 6.30 बजे चुराचांदपुर जिले के तुइबोंग में उसकी मंगेतर के घर से सशस्त्र बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया था। कुछ घंटों बाद जिले के नटजांग गांव के पास उसका शव मिला। हालांकि, अभी तक हत्यारों की पहचान नहीं हो पाई है। मामला दर्ज कर लिया गया है और दोषियों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। जान की भीख मांगता रहा ऋषिकांत ऋषिकांत के परिवार वालों ने बताया कि वह नेपाल की एक फर्म में टेक्निकल इंजीनियर के तौर पर काम करता था। वह क्रिसमस से पहले अपनी मंगेतर से मिलने आया था और 19 दिसंबर से उसी के घर पर रह रहा था। हत्यारों ने उसकी मौत का विडियो भी बनाया। ऋषिकांत अपनी जान की भीख मांगता रहा, इसके बावजूद उसे दो गोलियां मार दी गईं। इसके साथ ही हत्यारों ने मैसेज भी जारी किया, जिसमें लिखा था 'नो पीस, नो पोपुलर गवर्नमेंट'। इस हत्या के विरोध में गुरुवार को ऋषिकांत के पैतृक गांव काकचिंग जिले के काकचिंग खुनौ में विरोध प्रदर्शन हुए। स्थानीय लोगों ने वाबागई-सुगनू सड़क को जाम कर दिया। वीडियो कॉल के जरिए शव की पहचान खबरों के मुताबिक, दंपति ने चुराचांदपुर में रहने के लिए कुकी उग्रवादी समूहों के एक संगठन, कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) से इजाजत ली थी। हालांकि, केएनओ ने इस यात्रा के बारे में कोई भी जानकारी होने और उसकी मौत में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। गुरुवार को चुराचांदपुर में शव का पोस्टमार्टम किया गया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।